संकल्प

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज की गृह पत्रिका

जून 2024 | वर्ष 21 | अंक 02

84.45% PLF देश में अव्वल

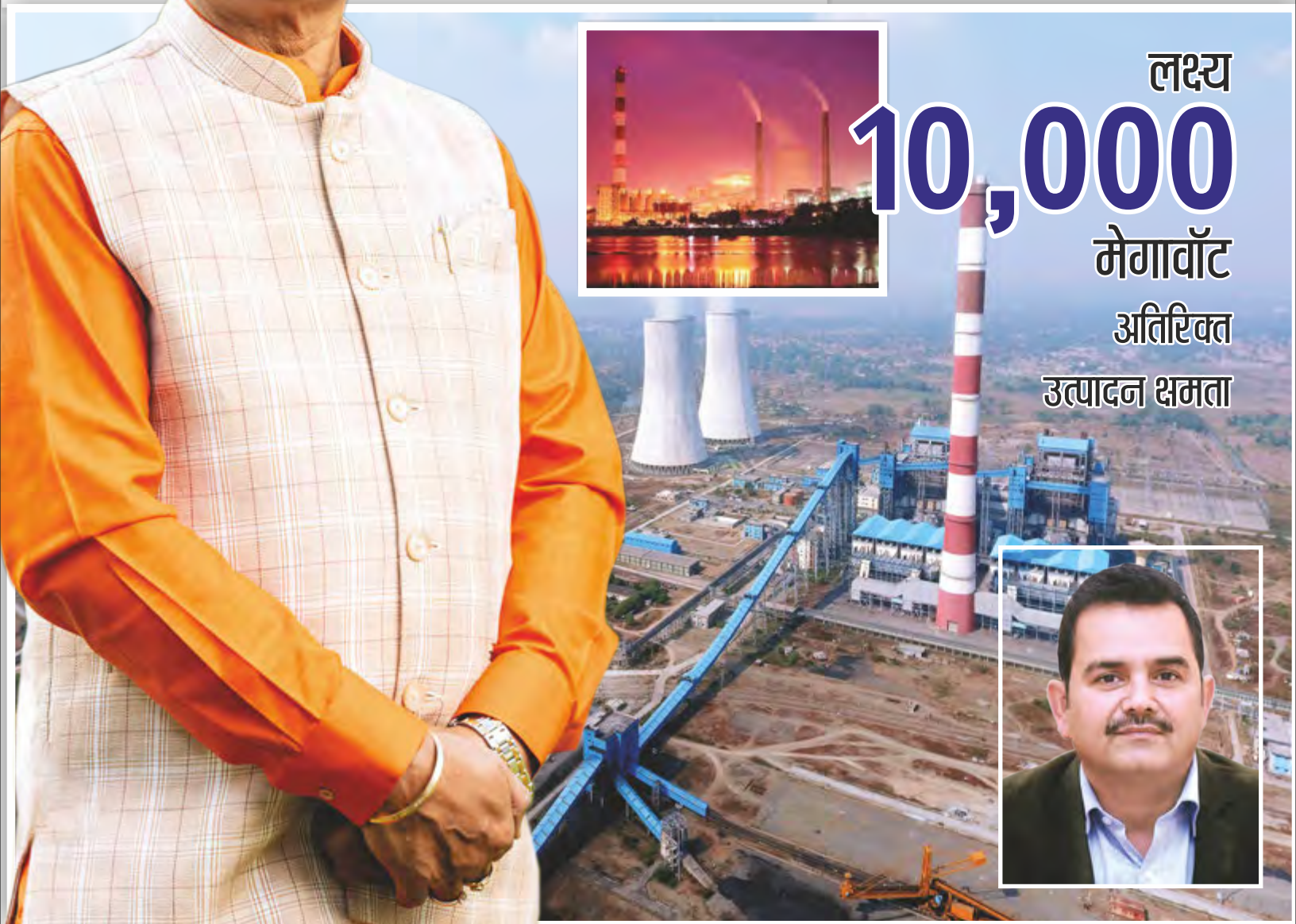

लक्ष्य 10,000 मेगावॉट अतिरिक्त उत्पादन क्षमता

सी एस पी जी सी एल
CSPGCL

CSPTCL
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड

CSPDCL
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड

बिजली के बढ़ते कदम

	नवंबर 2000	मई 2024
ताप विद्युत क्षमता	1,240 मेगावॉट	2840 मेगावॉट
जल विद्युत क्षमता	120 मेगावॉट	138.70 मेगावॉट
कुल ताप, जल विद्युत क्षमता	1,360 मेगावॉट	2978.70 मेगावॉट
अति उच्चदाब उपकेंद्रों की संख्या	27 नग	133 नग
अति उच्चदाब लाइनों की लंबाई	5,205 सर्किट कि.मी	14127 सर्किट कि.मी
33/11 के.वी उपकेंद्रों की संख्या	248 नग	1414 नग
33 के.वी लाइनों की लंबाई	16,988 सर्किट कि.मी	25,372 सर्किट कि.मी
11/04 के.वी उपकेंद्रों की संख्या	29,692 नग	2,33,689
11 के.वी लाइनों की लंबाई	40,556 कि.मी	1,35,948 कि.मी
निम्नदाब लाइनों की लंबाई	51,314 कि.मी	2,33,618 कि.मी
उपभोक्ताओं की संख्या निम्नदाब	18,90,998	63,31,398
उपभोक्ताओं की संख्या उच्चदाब	530	3,898
विद्युतीकृत पंपों की संख्या (प्रावधिक)	73,369	5,49,509

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज.की गृह पत्रिका

संकल्प

जून 2024 | वर्ष - 21 | अंक - 2

संरक्षक

श्री पी. दयानंद IAS
अध्यक्ष
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज.

श्री एस.के. कटियार
प्रबंध निदेशक
उत्पादन कंपनी

श्री आर.के. शुक्ला
प्रबंध निदेशक
पारेषण एवं वितरण कंपनी

संपादक

उमेश कुमार मिश्र
अति. महाप्रबंधक, जनसंपर्क

संपादन सहयोग
गोविन्द पटेल, अनामिका मण्डावी
छाया : संजय टेम्बे
सहयोग : सारिका साहू, प्रसन्न कुमार दुबे, शुभम बंछोर
फोन : 0771-2574702
E-mail : powercom001@gmail.com

क्रम

लहराया परचम सुशासन का	02
10 हजार मेगावॉट अतिरिक्त बिजली उत्पादन की तैयारी करें	07
पीएम सूर्यघर योजना में छत्तीसगढ़ को देश का अग्रणी राज्य बनाएं	08
7 राज्यों के पारेषण तंत्र की मजबूती का मार्ग प्रशस्त	09
कैशलेस स्वास्थ्य योजना कर्मियों व पेंशनरों के हित में	10
डाटा सेंटर रायपुर और डिजास्टर रिकवरी सेंटर बिलासपुर	12
जिंदगी के अंधेरे-उजाले	14
लाइनमेन दिवस, एक अच्छी शुरुआत	15
जानलेवा दुर्घटनाएं भी नहीं तोड़ पाईं पिता का हौसला	16
कभी पानी में तैरकर सुधारा, कभी सीढ़ी गिर गई, भालू का सामना	17
जगाई गई सुरक्षा की अलख	24
तनाव प्रबंधन पर कार्यशालाओं का सिलसिला	25
आपदा प्रबंधन की मिसाल बनी बिजली भंडार की आगजनी..	32

लहराया परचम सुशासन का

- छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी देश में अव्वल
- सी.ई.ए. ने जारी की स्टेट सेक्टर पॉवर कंपनियों की रैंकिंग

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में 84.45 प्रतिशत पी.एल.एफ. की उपलब्धि अर्जित करने और इसके साथ ही प्रथम बार देश में, स्टेट सेक्टर में प्रथम स्थान हासिल करना अत्यंत गौरवशाली है। इसके लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा है कि बहुत बधाई और शुभमानाएं। यह सुशासन के प्रति उनके दृढ़ संकल्पों और तत्परता का परिणाम है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सी.ई.ए.) द्वारा राज्य क्षेत्र में संचालित देश की 33 उत्पादन कंपनियों, निगम-मंडलों के बीच छत्तीसगढ़ का प्रथम आना वास्तव में छत्तीसगढ़वासियों की प्रतिभा, कार्यकुशलता, कार्य के प्रति समर्पण और छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य बनाने की दिशा में किए गए प्रयासों का प्रतिफल है।

▪ विष्णु देव साय
मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

वित्तीय वर्ष 2023-24 के परफार्मेंस में 84.45 प्रतिशत पी.एल.एफ की उपलब्धि के साथ छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी को देश में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सी.ई.ए) द्वारा भारत में स्टेट सेक्टर की 33 कंपनियों, निगमों-मण्डलों के कामकाज का मूल्यांकन करते हुए यह रैंकिंग जारी की गई है। उल्लेखनीय है कि इसके पहले छत्तीसगढ़ को एक बार देश में चौथा स्थान प्राप्त हुआ था लेकिन प्रथम स्थान पहली बार वर्ष 2023-24 में ही प्राप्त हुआ है। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी द्वारा इस अवधि में अन्य अनेक कीर्तिमान भी बनाए गये हैं। कंपनी के संयंत्रों द्वारा पाँच वर्ष पहले वर्ष 2018 में 21,277 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया गया था। जो विगत 5 वर्षों में कम हो गया था। वर्ष 2023-24 में पुनः 21,068 मिलियन यूनिट के आंकड़े को पार करने में सफलता मिली है इसके अलावा सबसे कम विशिष्ट तेल खपत, सबसे कम ऑक्जीलिरी पॉवर कंजम्पशन का सर्वकालिक कीर्तिमान भी बनाया गया है।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 अनेक बड़ी एवं

महत्वपूर्ण उपलब्धियों से भरा रहा। विगत वित्तीय वर्ष 2022-23 के 17,709.58 मिलियन यूनिट की तुलना में इस वर्ष 2023-24 में 21,068 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन का कीर्तिमान रचा गया। इसके पूर्व छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी का अपना ही कीर्तिमान वर्ष 2018 में 21,277 मिलियन यूनिट का था। सी.ई.ए द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार प्रथम स्थान पर छत्तीसगढ़ (84.45 प्रतिशत पी.एल.एफ)द्वितीय स्थान पर सिंगरौली (83.99 प्रतिशत पी.एल.एफ) तृतीय स्थान पर पश्चिम बंगाल (82.31 प्रतिशत पी.एल.एफ)चतुर्थ स्थान पर तेलंगाना (79.63 प्रतिशत पी.एल.एफ)पाँचवे स्थान पर उड़ीसा (77.20 प्रतिशत पी.एल.एफ) रहे इसके बाद क्रमशः आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, महाराष्ट्र तथा उत्तरप्रदेश आदि की पॉवर जनरेशन कंपनियां रहीं।

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर जनरेशन कंपनी की उपलब्धियों का आकलन विभिन्न मापदंडों पर होता है। बिजली घरों के बेहतर और निरंतर कार्य करने का एक पैमाना प्लांट लोड फैक्टर भी होता है। वर्ष 2019-20 में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर जनरेशन कंपनी का पी.एल.एफ 67.32% थी जो हर साल बढ़ते हुए क्रमशः वर्ष 2020-21 में 69.49%, वर्ष 2021-22 में 70.40%, वर्ष 2022-23 में 71.18% हुआ और अब वर्ष 2023-24 में बढ़कर 84.45% हो गया।

विद्युत उत्पादन के लिए विशिष्ट तेल की खपत विद्युत गृहों के कामकाज का एक प्रमुख पैमाना होता है। कम तेल खपत को विद्युत गृह के श्रेष्ठ कार्यकलाप, संचालन एवं संधारण की कुशलता का मापदण्ड माना जाता है। इस मामले में वित्तीय वर्ष 2023-24 में 0.285 मिलीलीटर प्रति किलोवॉट प्रति घण्टा विशिष्ट तेल की खपत रही जो विगत वर्ष 2022-23 की खपत 0.526 मिलीलीटर प्रति किलोवॉट प्रति घण्टा की लगभग आधी है। इस प्रकार वर्ष 2023-24 में विशिष्ट तेल खपत में सर्वकालिक सबसे कम खपत का कीर्तिमान राज्य बिजली घरों ने बनाया है। यहाँ यह समझना उचित होगा कि एक वर्ष में 5000 किलोलीटर तेल खपत की बचत होने से 30 करोड़ रूपये से अधिक की बचत विद्युत कंपनी को हुई है।

बिजली घरों के संचालन के लिए स्वयं के उपयोग हेतु भी बड़े पैमाने पर बिजली खपत की आवश्यकता होती है जिसे ऑक्जीलिरी पॉवर कंजम्पशन के रूप में जाना जाता है। वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा मात्र 6.92 प्रतिशत रहा जो छत्तीसगढ़ के इतिहास में सबसे कम है। यह बचत भी उत्पादन लागत में कमी का एक महत्वपूर्ण घटक है। इससे ग्रिड में अधिक पैमाने पर पारेषण तथा वितरण के लिए बिजली उपलब्ध होती है।

स्टेट सेक्टर के पॉवर हाउस का संचालन अपने आप में बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य होता है क्योंकि पॉवर सेक्टर के बहुत सारे निर्णयों पर शासन, प्रशासन तथा नियामक संस्थाओं का भी असर रहता है। स्टेट सेक्टर में आधुनिकीकरण या नई प्रौद्योगिकी अपनाने के लिए भी निजी क्षेत्र की तरह स्वतंत्रता नहीं रहती ऐसे में जरूरत के समय सही निर्णय लेना और उसका क्रियान्वयन कर पाना निजी क्षेत्र की तुलना में अधिक जटिल होता है। छत्तीसगढ़ के राज्य क्षेत्र के ताप बिजली घरों ने जो कीर्तिमान रचा है उसके पीछे निश्चित तौर पर माननीय मुख्यमंत्री और माननीय ऊर्जा मंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशा, सु-शासन के प्रति उनका स्पष्ट दृष्टिकोण तथा अपने अधिकारियों तथा कर्मचारियों पर विश्वास जताने की भी बड़ी भूमिका है। निश्चित तौर पर देश में अव्वल आना और पहली बार यह सम्मान पाना न सिर्फ स्टेट पॉवर सेक्टर के लिए बल्कि प्रदेशवासियों के लिए भी गौरव का विषय है। इस उपलब्धि के लिए मैं विद्युत उत्पादन से जुड़े सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और उनके परिवारजनों को बधाई देता हूँ।

▪ पी.दयानंद

सचिव, ऊर्जा विभाग एवं अध्यक्ष- छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़

अटल बिहारी ताप विद्युत गृह, मड़वा

एस.के.बंजारा
कार्यपालक निदेशक

- अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) द्वारा सर्वश्रेष्ठ उत्पादन क्षमता का कीर्तिमान स्थापित किया गया। कुल उत्पादन वर्ष 2018-19 में 6417.3 मिलियन यूनिट था, जो बढ़कर 7388.541 मिलियन यूनिट है। इसी तरह पीएलएफ 73.26 प्रतिशत से 84.11% और पीएलएफ 72.97 प्रतिशत से बढ़कर 85.20 प्रतिशत हो गया।
- संयंत्र का मासिक उत्पादन क्षमता भी सर्वश्रेष्ठ रहा। वर्ष 2023 में जुलाई में अधिकतम 663.094 मिलियन यूनिट व अक्टूबर में 674.178 मिलियन यूनिट उत्पादन हुआ।
- संयंत्र का मासिक पीएलएफ फरवरी 2024 में 94.24 प्रतिशत रहा । पूर्व में यह अक्टूबर 23

समस्त संयंत्रों का उत्पादन (मि.यू.) — **बढ़त का कीर्तिमान**

केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा भारतवर्ष में स्टेट सेक्टर की 33 कंपनियों के मूल्यांकन में छत्तीसगढ़ को प्रथम स्थान प्राप्त होना राज्य के लिए गौरव का विषय है। इस उपलब्धि के लिए हम प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय, ऊर्जा सचिव तथा छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ के अध्यक्ष श्री पी. दयानंद का अभिनंदन करते हैं तथा यह कीर्तिमान प्रदेश की जनता को समर्पित करते हैं। यह अत्यंत प्रसन्नता का विषय है कि हम एक बार फिर 21,277 मिलियन यूनिट के करीब पहुंचे हैं। देश के सबसे अधिक पी.एल.एफ. वाली विद्युत कंपनी का उत्पादन 21,068 मिलियन यूनिट होना यह भी साबित करता है कि इस बार की चुनौती कितनी बड़ी थी। मुझे खुशी है कि आलोच्य वर्ष में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी ने कई ऐसे कीर्तिमान बनाये हैं जो कुशल प्रबंधन, संयंत्रों के कुशल संचालन, आवश्यकताओं के समय पूर्व आकलन तथा तदनुसार समुचित उपाय करने की तत्परता को भी प्रदर्शित करते हैं। विशिष्ट तेल खपत तथा ऑक्जीलिरी में कमी का कीर्तिमान यह साबित करता है कि कार्यकुशलता के हमारे मापदंडों में मितव्ययता एवं बचत भी शामिल है। इसके लिए मैं हमारे ताप विद्युत गृहों के समस्त कर्मचारियों और अधिकारियों को बधाई देता हूं।

▪ एस.के. कटियार

प्रबंध निदेशक- छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी

में 90.62 प्रतिशत अधिकतम था।

- यूनिट क्र.1 द्वारा अब तक के सर्वश्रेष्ठ वार्षिक उत्पादन का कीर्तिमान बनाया गया। यह 3737.904 मिलियन यूनिट व पीएलएफ 85.107 प्रतिशत रहा जो वर्ष 2020-21 में 3006.467 मिलियन यूनिट व पीएलएफ 68.64 प्रतिशत था।
- यूनिट क्र. 2 का भी सर्वश्रेष्ठ वार्षिक उत्पादन 3650.637 मिलियन यूनिट व पीएलएफ 83.12 प्रतिशत रहा, जो वर्ष 2018 -19 में 3471.3 मिलियन यूनिट व पीएलएफ 79.25 प्रतिशत था।
- संयंत्र के यूनिट क्र.1 का मासिक उत्पादन का कीर्तिमान जनवरी 2024 में 356.165 मिलियन यूनिट व जुलाई में 338.038 मिलियन यूनिट था।

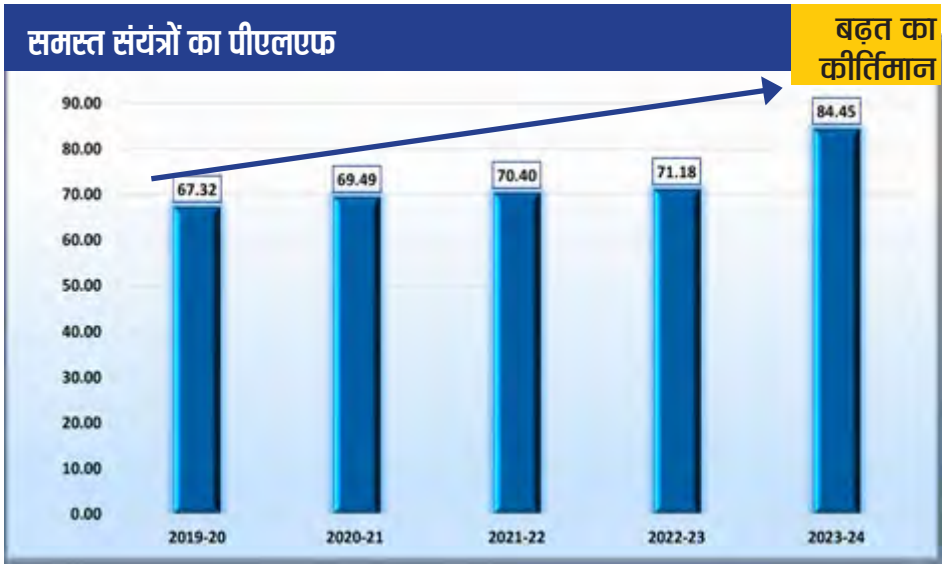

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह देश में तृतीय

डॉ. हेमंत सचदेव
कार्यपालक निदेशक

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह (2x250MW) कोरबा पूर्व छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत उत्पादन कंपनी मर्यादित ने विद्युत उत्पादन लक्ष्य को हासिल करने के साथ ही स्थापना वर्ष 2007 से निरंतर अनेक कीर्तिमान अर्जित किए हैं। इसी कड़ी में वित्तीय वर्ष 2023-24 में 4072.777 मिलियन यूनिट का उत्पादन कर स्थापना के बाद से दूसरा उच्चतम उत्पादन का कीर्तिमान बनाया, साथ ही 2977744.18 मीट्रिक टन कोयले की आवक कर, 383435 मीट्रिक टन कोयले के सर्वोच्च भंडारण का रिकार्ड बनाया। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण के अनुसार उत्कृष्ट कार्य निष्पत्ति (पी.एल.एफ.) के आधार पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह 92.73 प्रतिशत (पी. एल.एफ.) अर्जित कर संपूर्ण भारत के ताप विद्युत गृहों में राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय स्थान पर रहा। अमरकंटक एक्सटेंशन टीपीएस 97.80 प्रतिशत (पी.एल.एफ.) अर्जित कर पहले स्थान पर एवं शासन यू.एम. टीपीपी 93.52 प्रतिशत (पी.एल.एफ.) के साथ दूसरे स्थान पर तथा डीएसपीएम टीपीएस कोरबा पूर्व 92.73 प्रतिशत (पी. एल.एफ.) के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

यह उपलब्धि प्रबंध निदेशक छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी श्री एस. के. कटियार (उत्पादन), कार्यपालक निदेशक डीएसपीएम डॉ. हेमंत सचदेवा व कारखाना प्रबंधक श्री एस. कंसल अति. मुख्य अभियंता (संचा. एवं संधा.) एवं अन्य समस्त अधिकारियों के मार्गदर्शन में तथा डीएसपीएम के कर्मठ कर्मचारियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन से संभव हो सकी।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के अधीनस्थ संचालित समस्त ताप विद्युत गृहों में इस बार देश में स्टेट सेक्टर के ताप विद्युत गृहों के मुकाबले में सर्वश्रेष्ठ तथा सर्वोच्च पी.एल.एफ. का जो कीर्तिमान अर्जित किया है उसके लिए मैं जनरेशन कंपनी के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई देता हूं। मेरा मानना है कि अच्छी आपसी समझ तथा विभिन्न शाखाओं के समन्वय से ही ऐसी उपलब्धि हासिल की जा सकती है। प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय तथा हम सब के मार्गदर्शक छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनियों के अध्यक्ष श्री पी. दयानंद के मार्गदर्शन के लिए हम उन्हें साधुवाद प्रदान करते हैं। बिजली घरों में बिजली उत्पादन की निरंतरता बनाये रखने में पारेषण अथवा वितरण नेटवर्क की महती भूमिका होती है। उत्पादन के साथ निरंतर पारेषण और वितरण की गतिविधियां सुचारू रूप से चलने पर अधिक विद्युत उत्पादन करना संभव होता है इस दृष्टि से तीनों छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनियों की अपनी-अपनी भूमिका है। मैं सभी को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं क्योंकि कंपनियों के बेहतर कार्य निष्पादन से ही सभी कर्मचारियों तथा अधिकारियों का भविष्य और हितलाभ भी जुड़े हैं।

▪ राजेश कुमार शुक्ला

प्रबंध निदेशक- छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी

हसदेव ताप विद्युत गृह, कोरबा पश्चिम

संजय शर्मा
कार्यपालक निदेशक

वित्तीय वर्ष के दौरान एचटीपीएस कोरबा पश्चिम की उपलब्धियां 2023-24। यूनिट क्रमांक 4 द्वारा निरंतर चलने का सर्वाधिक रिकार्ड बनाया गया। दिनांक 12 जनवरी से 24 जून तक जो कि 162 दिन लगातार संचालन करते हुए यह रिकार्ड बनाया गया। एचटीपीएस संयंत्र के सभी इकाईयों में यहां अब तक का अधिकतम निरंतर चलने का रिकार्ड रहा। इसके पूर्व में अधिकतम 111 दिन चलने का रिकार्ड बना था। यूनिट क्रमांक 5 में दिनांक 30 जुलाई से 30 नवम्बर तक जो कि 121 दिन लगातार चलने का रिकार्ड है। इससे पूर्व में यह रिकार्ड 114 दिन का रहा। इकाई क्रमांक 5 द्वारा सर्वश्रेष्ठ दैनिक उत्पादन का रिकार्ड बनाने में प्रथम रहा। इस इकाई द्वारा दिनांक 04 अक्टूबर 2023 की स्थिति में 12.361 मिलियन यूनिट व 103.01 प्रतिशत पीएलएफ का रिकार्ड बनाया गया। पूर्व में दिनांक 6 अप्रैल 2022 की स्थिति में मिलियन यूनिट 12.281 व पीएलएफ 102.34 प्रतिशत था।

संयंत्र द्वारा सीएसईआरसी द्वारा निर्धारित लक्ष्य को पूर्ण किया गया। यूनिट एक द्वारा उत्पादन क्षमता 1601.267 मिलियन यूनिट, यूनिट दो द्वारा उत्पादन क्षमता 1546.843 मिलियन यूनिट व यूनिट एक से चार का 5864.467 मिलियन यूनिट उत्पादन क्षमता रहा। सयंत्र के यूनिट क्रमांक 5 द्वारा सीएसईआरसी के निर्धारित लक्ष्य 3742.611 मिलियन यूनिट का रिकार्ड बनाया गया। संयंत्र के यूनिट क्रमांक 5 द्वारा सीएसईआरसी के निर्धारित लक्ष्य के ऑक्जीलिरी विद्युत खपत 4.859 प्रतिशत था। संयंत्र के सभी चारों इकाईयों द्वारा विशिष्ट तेल खपत 0.508 मिलीलीटर प्रति यूनिट रहा। संयंत्र के यूनिट क्रमांक 5 द्वारा विशिष्ट तेल खपत 0.309 मिलीलीटर प्रति यूनिट रहा।

- संयंत्र के यूनिट क्र.1 द्वारा मासिक पीएलएफ का भी रिकार्ड दर्ज किया गया, यह जुलाई 23 में 90.87 प्रतिशत था व जनवरी 24 में 95.74 प्रतिशत था।
- मासिक उत्पादन क्षमता में यूनिट क्र.2 ने अच्छा प्रदर्शन किया। मार्च 2024 में यह अधिकतम 351.756 मिलियन यूनिट रहा । पूर्व में अधिकतम उत्पादन सितम्बर 2018 में 337.355 मिलियन यूनिट था।
- इसी प्रकार यूनिट क्र.2 का मासिक पीएलएफ मार्च 2024 में 94.56 प्रतिशत व फरवरी 2024 में 94.20 प्रतिशत था।
- मासिक आधार पर फरवरी 2024 में अब तक का सबसे कम सहायक बिजली खपत 4.45 प्रतिशत हासिल की गई।
- सहायक बिजली उपभोग 5.01 प्रतिशत रहा यह पिछला सर्वश्रेष्ठ कीर्तिमान वर्ष 2018 -19 में 5.65 प्रतिशत था।
- सर्वोत्तम तेल खपत घटकर 0.156 मिली तक पहुंच गई। वर्ष 2021 -22 में 0.50 थी।
- यूनिट क्र.1 द्वारा लगातार चलने का सर्वोत्तम कीर्तिमान बनाया गया । यह 3 जून 2023 से लगातार 29 नवम्बर 2023 तक निर्बाध 178 दिन चलता रहा, जो पिछला सर्वश्रेष्ठ 116 दिन का कीर्तिमान था।
- यूनिट क्र.1 व यूनिट 2 का संयुक्त रूप से अधिकतम निरंतर चलने का कीर्तिमान 20 अगस्त 2023 से 10 नवम्बर 2023 तक कुल 82 दिन का रहा जो पूर्व में 62 दिन था।

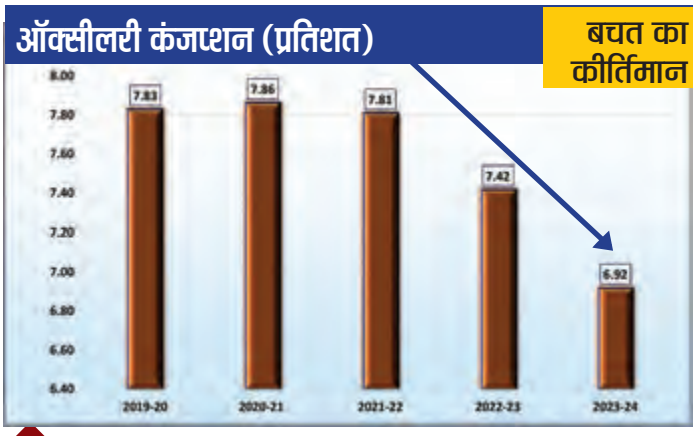

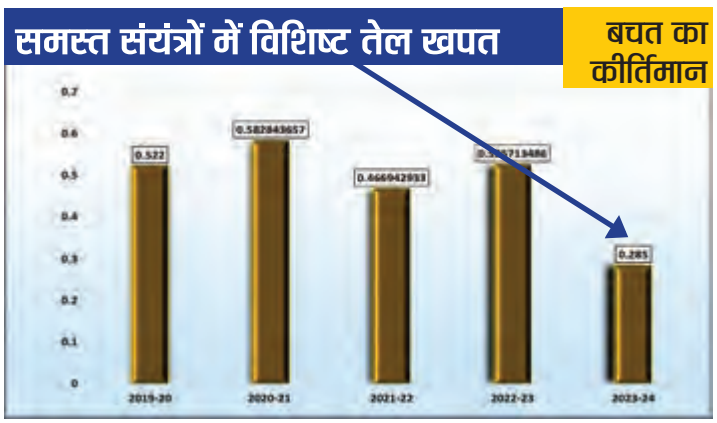

10 हजार मेगावॉट अतिरिक्त बिजली उत्पादन की तैयारी करें - पी. दयानंद

छत्तीसगढ़ पॉवर कंपनीज़ के अध्यक्ष तथा छत्तीसगढ़ शासन के ऊर्जा सचिव श्री पी.दयानंद ने छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के कामकाज, प्रचलित और भावी परियोजनाओं की समीक्षा बैठक 24 मई को डंगनिया मुख्यालय विद्युत सेवा भवन में ली। उन्होंने लगभग 10 हजार मेगावॉट विद्युत उत्पादन की संभावनाओं की चर्चा की तथा विभिन्न परियोजनाओं के कार्य को आगे बढ़ाने हेतु निर्देश दिये ।

श्री दयानंद ने डंगनिया, रायपुर स्थित मुख्यालय में यह बैठक ली जिसमें एम.डी. जनरेशन श्री एस.के. कटियार द्वारा पॉवर प्वाइंट प्रस्तुतिकरण के माध्यम से जानकारियां दी गई। वर्ष 2023-24 की उपलब्धियों को श्री दयानंद ने सराहनीय बताया तथा इसकी निरंतरता बनाये रखने के लिये समुचित मार्गदर्शन दिये। हमारे ताप बिजली घरों का देश के स्टेट सेक्टर यूटिलिटीज में अव्वल आना गौरव का विषय है। वर्ष 2023- 2024 में अनाकेंक्षित आंकड़े के अनुसार 800 करोड़ रूपए से अधिक आय की संभावना पर श्री दयानंद ने प्रसन्नता जताई ।

उन्होंने 2×660 मेगावॉट सुपर क्रिटिकल ताप विद्युत विस्तार परियोजना कोरबा पश्चिम, 1×660 मेगावॉट सुपर क्रिटिकल ताप विद्युत विस्तार परियोजना मड़वा की प्रगति की समीक्षा की। कोरबा पूर्व में 440 मेगावॉट की बंद परियोजनाओं की भूमि पर नये बिजली घर लगाने की संभावनाओं पर विचार विमर्श कर निर्देश दिए।

श्री दयानंद ने पंप स्टोरेज आधारित जल विद्युत परियोजनाओं से लगभग 6000 मेगावॉट बिजली उत्पादन क्षमता वृद्धि के लिये आवश्यक मार्गदर्शन दिये। सोलर पीबी आधारित लगभग 1000 मेगावॉट विद्युत उत्पादन की संभावनाओं पर भी कार्य आगे बढ़ाने के निर्देश, श्री दयानंद ने दिये। ताप बिजली घरों से निकलने वाली राखड़ के शत प्रतिशत निस्तारण की दिशा में गंभीरता से कार्य करने के निर्देश देते हुये श्री दयानंद ने कहा कि पर्यावरण व जनस्वास्थ्य की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाये । उल्लेखनीय है कि विगत वित्तीय वर्ष में कुल उत्पादित राखड़ के 81 प्रतिशत का निस्तारण किया गया था।

श्री दयानंद ने कहा कि रिक्त पदों पर भर्ती पूरी पारदर्शिता के साथ नियमानुसार होनी चाहिए। भर्ती का कार्य भी मिशन मोड पर हो, जिसका लाभ बेहतर कार्य निष्पादन के रूप में मिलेगा। पॉवर कंपनीज़ की संपत्तियों पर किसी का कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जायेगा, नियमानुसार कार्यवाही कर उन्हें सख्ती से हटाया जायेगा । वहीं रिक्त पड़ी भूमि के सकारात्मक और उत्पादक उपयोग के संबंध मे भी योजना बना कर कार्य करना चाहिए।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कम्पनी के विभिन्न विभागों के कार्यपालक निदेशक श्री एम.एस. कंवर, श्री सी.एल. नेताम, श्री एम.आर. बागड़े तथा मुख्य अभियंता श्री एच. एन. कोसरिया, श्री हेमंत सिंह, श्री गिरीश गुप्ता, अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र आदि उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के कामकाज की समीक्षा

पीएम सूर्यघर योजना में छत्तीसगढ़ को देश का अग्रणी राज्य बनाएं

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ मुख्यालय में आरईसी (ग्रामीण विद्युतीकरण निगम) के चेयरमेन-एमडी श्री विवेक कुमार देवांगन ने विभिन्न योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने पीएम-सूर्यघर योजना एवं आरडीएसएस योजना के विभिन्न घटकों के कार्य तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए और कहा कि इस योजना को प्रदेश के घरेलू उपभोक्ताओं तक पहुँचाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। शहरी क्षेत्रों में बने पक्के मकानों की छतों में सोलर पैनल लगाकर लोगों को बिजली उत्पादन के लिए प्रेरित करें, इससे उनके घर का बिजली बिल बहुत कम हो जाएगा।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ के डंगनिया स्थित मुख्यालय विद्युत सेवा भवन में 6 मई को आयोजित बैठक की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ के चेयरमेन श्री पी दयानंद ने की। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक द्वय श्री राजेश कुमार शुक्ला एवं श्री एस के कटियार विशेष रूप से उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री देवांगन ने पीएम सूर्यघर योजना, आर.डी.एस.एस का प्रस्तुतिकरण देखा तथा बिंदुवार विषयों की समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि इन दोनों योजनाओं के क्रियान्वयन में छत्तीसगढ़ को देश के पाँच अग्रणी राज्यों में शामिल कराने के लिए गंभीरता से प्रयास करेंगे।

पॉवर कंपनी के अधिकारियों ने बैठक में बताया कि प्रदेश में 60 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को निर्बाध विद्युत आपूर्ति की जा रही है। इनमें से 42 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को 400 यूनिट तक की खपत पर हाफ बिजली योजना का लाभ दिया जाता है, उन्हें आधा बिल देना होता है। पीएम सूर्यघर योजना के तहत यदि वे अपने घर की छत पर सोलर प्लांट लगवाते हैं तो उनका बिजली बिल और भी कम हो जाएगा, जिससे उन्हें प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ होगा।

आरईसी के सीएमडी श्री देवांगन ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचें और हर आवेदक से स्वयं संपर्क कर उनकी समस्याओं का निराकरण करें। उन्हें इस योजना के लिए बैंक से वित्तीय ऋण उपलब्ध कराने में सहयोग करें। उन्होंने वेंडरों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए ताकि प्रति सौ उपभोक्ताओं के बीच एक वेंडर हो। वेंडर से संपर्क स्थापित कर इस प्रक्रिया को 15 से 20 दिन में पूर्ण कराएं ताकि इस योजना के लक्ष्य को जल्द से जल्द प्राप्त कर लिया जाए।

श्री देवांगन ने आरडीएसएस योजना के तहत प्रदेशभर में लगने वाले सभी स्मार्ट मीटर की प्रगति की जानकारी ली। अधिकारियों ने बताया कि स्मार्ट मीटर लगाने के लिए सभी प्रक्रिया पूर्ण कर ली गई है, वितरण ट्रांसफॉर्मर और फीडर में स्मार्ट मीटर लगाए जा रहे हैं, इसके बाद घरेलू उपभोक्ताओं के घरों में स्मार्ट मीटर लगाए जाएंगे। श्री देवांगन ने कहा कि स्मार्ट मीटर से पीएम सूर्यघर योजना के लिए अलग से नेट मीटर लगाने की आवश्यकता नहीं रहेगी। प्रदेश में ऐसी भूमि पर बड़े पैमाने में सोलर परियोजनाएं स्थापित की जाए जहाँ खेती नहीं होती है। वहीं पीएम सूर्यघर योजना के हितग्राहियों की संख्या बढ़ाने के लिए अधिक एजेंसियों द्वारा बड़े पैमाने पर कार्य किया जाए।

उन्होंने छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के लाइन लॉस एवं बकाया बिलों व लाभ की भी जानकारी ली। बैठक में आरईसी के प्रोजेक्ट हेड श्री प्रदीप फैलोस सहित पॉवर कंपनी के कार्यपालक निदेशक सर्वश्री भीम सिंह कंवर, आरए पाठक, वीके साय, आलोक सिंह, श्रीमती सरोज तिवारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। योजनाओं का पॉवर पाइंट प्रस्तुतिकरण सीई श्री राजेन्द्र प्रसाद एवं एसई श्री एन बिम्बिसार ने किया। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त महाप्रबंधक श्री उमेश कुमार मिश्र ने किया।

साफ बिजली बिल

इस अवसर पर श्री दयानंद ने कहा मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की मंशा है कि प्रदेश में सौर ऊर्जा से इतनी अधिक मात्रा में बिजली उत्पादन करना है कि लोगों के घर में ही उत्पादित बिजली से उनकी आवश्यकता पूरी हो जाए और छत्तीसगढ़ प्रदेश हाफ बिजली बिल से साफ बिजली बिल वाला प्रदेश बन जाए।

छत्तीसगढ़ सहित 7 राज्यों के पारेषण तंत्र की मजबूती का मार्ग प्रशस्त ...

श्री दयानंद की अध्यक्षता में पश्चिम क्षेत्रीय विद्युत समिति की बैठक...

पश्चिम क्षेत्रीय विद्युत समिति की 49 वीं बैठक इस समिति के अध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ शासन के सचिव ऊर्जा व छत्तीसगढ़ पॉवर कम्पनीज़ के अध्यक्ष श्री पी.दयानंद की अध्यक्षता में दमन में संपन्न हुई। इस समिति के माध्यम से छत्तीसगढ़ में अति उच्च दाब की अंतर्राष्ट्रीय पारेषण परियोजनाओं का मार्ग प्रशस्त हुआ है,जिसका बड़ा लाभ छत्तीसगढ़ सहित अन्य राज्यों को मिलेगा।

श्री पी. दयानंद 1अप्रैल 2024 से पश्चिम क्षेत्रीय विद्युत समिति के अध्यक्ष नियुक्त किए गये हैं। इस समिति में गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गोवा, दमन और दीव, दादरा एवं नगर हवेली की उत्पादन, पारेषण, वितरण पॉवर कम्पनीज़, एनटीपीसी, पॉवर ग्रिड कारपोरेशन ऑफ़ इंडिया, इन राज्यों की निजी पॉवर उत्पादक कंपनियाँ, निजी पारेषण व ट्रेडिंग कंपनियाँ, राज्य एवं क्षेत्रीय भार प्रेषण केंद्र सम्मिलित हैं। देश के पश्चिम क्षेत्र में विद्युत प्रणाली को सुदृढ़ बनाने में पश्चिम क्षेत्रीय विद्युत समिति की महत्वपूर्ण भूमिका है। हर तीन माह में समिति की बैठक आयोजित की जाती है। इसी कड़ी में केंद्र शासित राज्य दमन में समिति की 49 वीं बैठक 12-13 अप्रैल को संपन्न हुई। इस बैठक में पॉवर के अंतर्राज्यीय मुद्दों पर महत्वपूर्ण निर्णय हुये जैसे नयी अंतर्राज्यीय पारेषण लाइनों के निर्माण की स्वीकृति, डेटा के संचार हेतु राष्ट्रीय स्तर पर एक समान सॉफ्टवेयर बनाने, अंतर्राज्यीय पॉवर एक्सचेंज से संबंधित विभिन्न वाणिज्यिक व मीटरिंग व्यवस्था के आधुनिकीकरण जैसे मुद्दे सहित अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर आपसी सहमति से निर्णय लिये गये। साथ ही पूर्व निर्णयों के त्वरित क्रियान्वयन ,समस्याओं के समाधान आदि विषयों पर भी चर्चा की गई।

इसके पूर्व 12 अप्रैल को पश्चिम क्षेत्रीय विद्युत समिति की तकनीकी समन्वय समिति की बैठक श्री राजेश कुमार शुक्ला, प्रबंध निदेशक छत्तीसगढ़ पारेषण एवं वितरण कंपनी की अध्यक्षता में दमन में ही संपन्न हुई। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य में पॉवर ग्रिड के धमधा स्थित 765 केवी उपकेंद्र से छत्तीसगढ़ राज्य के उपकेंद्रों में जुड़ने वाली 4 नग 220 केवी लाइनों,400 केवी धमधा पॉवर ग्रिड उपकेंद्र से सीएसपीटीसीएल के 400केवी कुरूद उपकेंद्र तक तथा 400 केवी जेपोर (ओडीशा) से सीएसपीटीसीएल के 400 केवी जगदलपुर उपकेंद्र तक 400 केवी की लाइनों की स्वीकृति प्रदान की गई है। इन पर कार्य भी प्रारंभ हो गए हैं। इनके निर्माण से छत्तीसगढ़ को केंद्रीय पूल से मिलने वाली बिजली की मात्रा में वृद्धि होगी जिससे विद्युत व्यवस्था सुदृढ़ होगी।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ की कैशलेस स्वास्थ्य योजना कर्मियों व पेंशनरों के हित में अभिनव कदम

म.प्र. तथा पंजाब राज्य के वरिष्ठ अधिकारी अध्ययन करने आए, मोहित होकर गये, अपने-अपने राज्यों में लागू करवाने की मंशा

हम छत्तीसगढ़ में एक ओर जहां अपने अधिकारियों-कर्मचारियों को बेहतर कार्य निष्पादन के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कर्मचारियों के कल्याण के प्रति भी तत्पर हैं। यह प्रसन्नता का विषय है कि छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ द्वारा ऐसी कैशलेस स्वास्थ्य योजना लागू की गई है जो सेवानिवृत्ति के बाद भी उनके काम आएगी। इस योजना के प्रति हमारे अधिकारियों-कर्मचारियों का उत्साह तो सराहनीय है ही अन्य प्रदेशों की पॉवर कंपनियों का रुझान बहुत महत्वपूर्ण है। हमारे द्वारा किया गया कोई नवाचार और उसके पीछे की गई शोध अन्य राज्यों के भी काम आए तो इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता।

▪ पी.दयानंद (अध्यक्ष)
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी में कैशलेस स्वास्थ्य योजना का अध्ययन करने आई मध्यप्रदेश व पंजाब की टीमों ने योजना की भरपूर सराहना की है तथा इसे अपनी-अपनी विद्युत कंपनियों में लागू करने की मंशा जताई है। छत्तीसगढ़ पॉवर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री एस.के. कटियार, प्रबंध निदेशक छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी श्री राजेश कुमार शुक्ला की उपस्थिति में 15 मई को आयोजित इस बैठक में मध्यप्रदेश पॉवर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री मंजीत सिंह ने इस योजना को कर्मचारी हित का सर्वश्रेष्ठ उदाहरण माना। पंजाब पॉवर कार्पोरेशन के प्रतिनिधि ने बताया कि इस योजना से उन्हें नई राह मिली है। तीनों राज्यों की बिजली कंपनियों व छत्तीसगढ़ की क्रियान्वयन एजेंसी के बीच एक एम.ओ.यू पर हस्ताक्षर किए गए। जिसके अनुसार छत्तीसगढ़ पॉवर कंपनी के कैशलेस स्वास्थ्य योजना के मॉडल को मध्यप्रदेश तथा पंजाब में भी अपनाया जा सकता है।

इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन श्री अशोक कुमार वर्मा तथा अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री विनोद कुमार अग्रवाल ने पीपीटी के माध्यम से योजना की प्रस्तुति दी। बैठक में मध्यप्रदेश व पंजाब स्टेट सेक्टर की सात पॉवर कंपनियों से आये अधिकारियों ने योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी की टीम को बधाई दी व ताली बजाकर इस कार्य की प्रशंसा की। मध्यप्रदेश से आई टीम ने कहा कि यह मॉडल सुनियोजित तरीके से संचालित हो रहा है जिसका सीधा

मध्यप्रदेश पॉवर जनरेशन कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री मंजीत सिंह ने कहा कि छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी की कैशलेस स्वास्थ्य योजना के बारे में हमने जितना सुना था यहाँ आकर उससे भी बेहतर पाया है। इस योजना को मध्यप्रदेश की पॉवर कंपनियों में लागू करने के लिए हमारा आत्म-विश्वास बढ़ा है। यह योजना बहुत प्रभावी है। छत्तीसगढ़ ने पॉवर सेक्टर में जो विश्वसनीयता अर्जित कि है वह कर्मचारी कल्याण में भी दिख रही है।

मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रतिनिधि श्री अमित मेहरोलिया ने कहा कि छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी की स्वास्थ्य योजना को प्रभावी ढंग से लागू किया गया है, कंपनी की ओर कर्मियों के लिए सामाजिक दायित्व का बेहतर उदाहरण है। छत्तीसगढ़ के अधिकारियों का उत्साह और समर्पण भी काबिले तारीफ़ है।

पंजाब स्टेट पॉवर कार्पोरेशन से आए श्री डी.के. गोयल ने कहा कि पंजाब में इसी तरह की कैशलेस योजना लागू की गई थी पर वह सफल नहीं हो सकी थी, यहाँ आकर हमने छत्तीसगढ़ की स्वास्थ्य योजना का सूक्ष्मता से अध्ययन किया है। छत्तीसगढ़ में बहुत मेहनत से रिसर्च की गई और योजनाबद्ध ढंग से इसे लागू किया गया है। हमने जिन दिक्कतों का सामना किया था उनका समाधान इस योजना में है।

लाभ कर्मचारियों व पेंशनरों को मिलता देखना काफी सुखद है। उन्होंने छत्तीसगढ़ की योजना के पीछे की गई मेहनत, शोध और सोच को अनुकरणीय बताया।

बैठक में मध्यप्रदेश से मध्य क्षेत्र, पूर्व क्षेत्र तथा पश्चिम क्षेत्र के पॉवर वितरण कंपनी तथा मध्यप्रदेश पॉवर मैनेजमेंट कंपनी के प्रतिनिधि भी शामिल हुए। उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। मध्यप्रदेश तथा पंजाब से आए प्रतिनिधियों ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हुई मेहमाननवाज़ी को वे हमेशा याद रखेंगे। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत कंपनियों के अधिकारियों तथा कर्मचारियों के समर्पण तथा उत्साह की सराहना की। उन्होंने कहा कि अपने साथ कठित अन्य राज्यों की तुलना में छत्तीसगढ़ ने बहुत तेज गति से तरक्की की है जिसके कारण देश में छत्तीसगढ़ को विशेष सम्मान के साथ देखा जाता है। इस अवसर पर मानव संसाधन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन करते हुए अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र ने कहा कि इस योजना के बहाने तीन राज्यों के प्रतिनिधियों का समागम छत्तीसगढ़ में होना भी अपने आप में बहुत महत्वपूर्ण है।

डाटा सेंटर रायपुर और डिजास्टर रिकवरी सेंटर बिलासपुर

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल ने इलेक्ट्रॉनिकी प्रशासन की दिशा में मजबूत कदम उठाते हुए वर्ष 2005 से सेप ईआरपी सॉफ्टवेयर का उपयोग करना शुरू किया। इस कार्य के लिये ईआईटीसी कार्यालय में केंद्रीकृत डाटा सेन्टर रायपुर की स्थापना वर्ष 2005 में की गई। सेप ईआरपी सिस्टम को सभी छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनियों में लागू किया गया। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनियों के सभी कार्यालयों को नेटवर्किंग के माध्यम से डाटा सेन्टर से जोड़ा गया। तत्पश्चात् मीटर डाटा अधिग्रहण प्रणाली, भौगोलिक सूचना प्रणाली, वेब एप्लीकेशन्स, केंद्रीकृत उपभोक्ता सेवा केन्द्र, पेमेन्ट गेटवे जैसे कुछ अन्य अनुप्रयोगों को भी लागू किया गया। इन एप्लीकेशन्स के सभी सर्वर केंद्रीकृत डाटा सेन्टर रायपुर में स्थापित है।

वर्ष 2008 से डाटा सेन्टर रायपुर विद्युत सेवा भवन डगनिया रायपुर में स्थित है। 24x7 आई टी एपलीकेशन्स की सुगम उपलब्धता के लिये डाटा सेन्टर में आईटी उपक्रम आधारभूत संरचना और सुरक्षित नेटवर्क प्रणाली का बुनियादी ढांचा स्थापित किया। इस पूर्ण विकसित डाटा सेन्टर को उच्च तकनीकी उपक्रम सर्वरों, स्टोरेजेस (डाटा भंडारण), नेटवर्क एवं सुरक्षा उपकरणों और संबद्ध प्रणाली के साथ स्थापित किया गया ताकि उद्योग के अग्रणी सेप ईआरपी और अन्य आईटी एपलीकेशन्स की जरूरतों को पूरा किया जा सके। आर.ए.पी.डी.आर. पी.योजना के तहत डाटा सेन्टर को और उन्नत और आधुनिक बनाने वर्ष 2012 में स्टेट ऑफ द आर्ट सुविधाओं से सुसज्जित किया गया। नोवक 1230 आधारित अग्नि शमन-अग्नि रोकथाम प्रणाली एवं वीईएसडीए, डब्ल्यूएलडी, कृंतक/ मूषक विकर्षक प्रणाली, क्लोज सर्किट टेलीविजन, प्रवेश नियंत्रण प्रणाली, सार्वजनिक उद्धबोधन प्रणाली आदि के साथ एकीकृत भवन प्रबंधन प्रणाली की स्थापना की गई।

डाटा सेन्टर के संचालन हेतु कई फीडरों से बिजली आपूर्ति की सुविधा है। निर्बाध विद्युत आपूर्ति के लिये अलग से यूपीएस और बैटरी कक्ष का निर्माण किया गया जिसमें अति उच्च विद्युत मूल्यांकन वाले यूपीएस लगाये गये। डाटा सेन्टर की निरंतर बिजली आपूर्ति करने के लिये वर्ष 2012 में डीजल आधारित जनरेटर को आटो स्विच सुविधा के साथ संचालित किया गया। आईटी उपकरणों के सुचारू संचालन के लिए पर्याप्त शीतलता की आवश्यकता हेतु कई उच्च क्षमता (8 टन एवं 3.5 टन) वाले प्रिसिशन एसी' लगाये गये। इसके अलावा आर.ए.पी. डी.आर.पी.योजना के तहत सी.एस.पी.डी. सी.एल के लिये बिलासपुर में द्वितीय साइट के रूप में डिजास्टर रिकवरी सेन्टर विकसित किया गया ताकि अप्रत्याशित आपदा के दौरान कार्य बाधित न हो। एप्लिकेशन डाटा को सुनिश्चित करने के लिये डिजास्टर रिकवरी सेन्टर को डाटा सेन्टर के समतुल्य हार्डवेयर क्षमता के साथ स्थापित किया गया। डाटा अखंडता और डाटा सुरक्षा के लिये समर्पित नेटवर्क बैंडविथ के माध्यम से डाटा को वास्तविक समय के आधार पर डाटा सेन्टर से डिजास्टर रिकवरी सेन्टर तक पहुँचाया जाता है।

सी.एस.पी.डी.सी.एल द्वारा दो आधुनिक 1जीबीपीएस रेप्लिकेशन बैंडविथ जो उद्योग मानक आर.पी.ओ. और आर.टी.ओ. को पूरा करते है, को दो अलग अलग आईएसपी

हमने निभाई सूचना क्रांति के युग में ऊर्जा सूचना प्रौद्योगिकी की सार्थक भूमिका

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ ने आधुनिकीकरण तथा नवाचार में अपनी विशेष पहचान बनाई है। आज के युग में डाटा के संग्रहण की प्रामाणिकता और उसकी सुरक्षा किसी संस्थान की दूरदर्शिता और सुदृढ़ता की परिचायक होती है। ऊर्जा सूचना प्रौद्योगिकी का समुचित उपयोग विद्युत कंपनियों में करने के उद्देश्य से गठित ईआईटीसी ने अपनी सार्थक भूमिका साबित की है। हमनें डाटा संग्रहण और सुरक्षा के नये आयाम स्थापित किये हैं। भावी योजनाओं के लिए हो या नियमित संचालन-संधारण के लिए हो या आपातकालीन परिस्थितियों के लिए, हर परिस्थिति में हमारा डाटा सेंटर तथा डिजास्टर रिकवरी सेंटर बहुत ही उपयोगी साबित हुआ है। हमारे पास आधुनिक प्रौद्योगिकी तथा कुशल प्रोफेशनल्स की बहुत मजबूत टीम है जो में पॉवर कंपनीज़ की प्रगति का आधार बनी है।

▪ श्री वी.के.साय
कार्यपालक निदेशक (ईआईटीसी)

बीएसएनल व जिओ के माध्यम से लगाया गया। इसके माध्यम से अनुप्रयोगों को बिना किसी डाटा हानि के डाटा सेन्टर रायपुर से डिजास्टर रिकवरी सेन्टर बिलासपुर पहुँचाया जा सकता है। वर्तमान में डाटा सेन्टर और डिजास्टर रिकवरी सेन्टर में 500 टीबी और 350 टीबी के डाटा भंडारण क्षमता के साथ 200 और 150 सर्वर और हार्डवेयर उपकरण स्थापित हैं, जिसमे पॉवर कंपनियों की आईटी जरूरत के लिए विभिन्न उद्यम आईटी एप्लिकेशन होस्ट किये जा रहे है।

सी.एस.पी.डी.सी.एल के डाटा सेन्टर और डिजास्टर रिकवरी सेन्टर 3-टियर उद्योग मानक डाटा सेन्टर है और वर्ष 2018 से आईएसओ प्रमाणित भी है। यहाँ की उत्तम व्यवस्था के कारण प्रत्येक सर्वर रेक के लिये बिजली की आपूर्ति, कूलिंग, नेटवर्क आदि उपलब्ध है ताकि 24x7 व 365 दिन बिना विफलता/ रूकावट के कार्य किया जा सके। दोनो डाटा सेन्टर व डिजास्टर रिकवरी सेन्टर सी.एस. पी.डी.सी.एल के ईआईटीसी विभाग द्वारा संचालित है एवं हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर,एप्लिकेशन, तथा नेटवर्क एवं सुरक्षा कार्य के संचालन व प्रबंधन हेतु ईआईटीसी विभाग की विशेष संकल्पित टीम कार्यरत है।

तरह तरह के शौक

- ***100 से ज्यादा भाषाओं की सामग्री तथा 50 से ज्यादा भाषाओं के कैलेंडर***
- ***कुछ नया करने का शौक, हॉबी या जुनून है तो व्यक्ति कुछ भी कर सकता है।***

भारत के विभिन्न प्रदेशों की भाषा एवं बोलियों की सामग्री यथा पुस्तक, वर्णमाला, पत्रिका, समाचार पत्र, कैलेंडर आदि एक ही जगह उपलब्ध हों, इस उद्देश्य से प्रारंभ किए गए अभियान के अंतर्गत श्री राजेंद्र ओझा, छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के सेवानिवृत्त अनुभाग अधिकारी ने लगभग 2 वर्ष में 100 से ज्यादा भाषाओं की सामग्री एवं 50 से ज्यादा भाषाओं के कैलेंडर एकत्रित कर लिए हैं।

उन्होंने बताया कि इस संकलन का उद्देश्य विभिन्न भाषा बोलियों की सामग्री को एक जगह एकत्रित करना है। यदि कोई शोध कार्य में इसका उपयोग करना चाहिए तो वह कर सकता है। इसके साथ ही साथ शालेय एवं महाविद्यालयीन छात्र भी इसे देखकर अपने ज्ञान में वृद्धि कर सकते हैं। इस संकलन में छत्तीसगढ़ के श्री एम. पी. जायसवाल का सरगुजिहा काव्य संग्रह पीपर कर पतई, श्रीमद् भगवद्गीता का श्री तेजपाल सोनी द्वारा किया गया छत्तीसगढ़ी अनुवाद, श्री नरेंद्र पाढ़ी की हल्बी एवं भतरी कविता संग्रह मोडरी एवं मनर कथा, श्री आर्यन चिराम का हल्बी पहाड़ा, श्री ईश्वर साहू का छत्तीसगढ़ी कैलेंडर एवं श्री रमेश ठाकुर का गोंडी कैलेंडर शामिल है।

संग्रह में हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, उर्दू, (छत्तीसगढ़ी), सरगुजिया, गोंडी, हल्बी, भथरी, बघेली, मालवी, बुंदेली, निमाड़ी, पंजाबी, मणिपुरी (मध्य प्रदेश) मैथिली, भोजपुरी, अंगिका, बज्जिका, मगही, गुजरात की गुजराती, कच्छी, काठियावाड़ी, पंचमाली भीली, हरियाणवी, (झारखंड) कुड़माली, खड़िया, नागपुरी, मुंडारी, संताली, हो, पंचपरगनिया, (राजस्थान) राजस्थानी, मिणी, मेवाड़ी वागड़ी,(असम) असमिया, बोडो, लद्दाखी, पश्चिम बंगाल की बांग्ला, मंगर, सादरी, किरात, ओडिशा की ओड़िआ, संबलपुरी, सोरा,गोवा कोंकणी, कर्नाटक की कन्नड़, कोडवा, तुलु, तमिलनाडु तमिल, बडुगु, केरल मलयाली, महाराष्ट्र मराठी, चंदगडी, उत्तराखंड गढ़वाली, कुमांऊनी, रवांल्टि, मेघालय खासी, सिक्किम लेप्चा, भूटिया, लिंबू, नेपाल की नेपाली, मेरे, बराम, बझाडी, गुरुंग, उरांव, चेपाड, ल्होमी, बाहिड, दराई, थारु, मंगर, जिरेल, अछामी, ह्योल्मो, तामाड, मुगाल, डोट्याली, चाम्लिड राई, नागालैंड न्योंगकोंग, आंध्र प्रदेश तेलुगू, उत्तर प्रदेश अवधी, बृज,डोगरी(जम्मू कश्मीर), मिजोरम की मिजो, त्रिपुरा की कोकबोरोक, तिब्बती, रशियन, सिन्धी, स्पैनिश, अरेबिक, हिमाचल की कुलुवी, कांगड़ी, मण्डयाली, महासुबी, बघाटी, सिरमौरी, खंडूरी, राहुरी, किन्नौरी, आस्ट्रेलियियन, प्राकृत, फिलिपींस, जर्मनी आदि भाषा- बोलियों की सामग्री यथा पुस्तक, वर्णमाला, पत्रिका एवं कैलेंडर आदि उपलब्ध है।

छत्तीसगढ़ की छत्तीसगढ़ी, हल्बी, राजस्थान की राजस्थानी, सिक्किम की भूटिया, लिंबू, लेप्चा, राई, पंजाब की पंजाबी, ओडिशा की ओड़िआ, सोरा, आंध्र प्रदेश की तेलुगू, नेपाल की नेपाली, गुरुंग, कर्नाटक की कन्नड़, कोडवा, तुलु, पश्चिम बंगाल की बांग्ला, मंगर, झारखंड हो, खड़िया, मुंडारी, संताली, कुडुख, मैथिली, तमिलनाडु तमिल, बडुगु, लद्दाख की लद्दाखी, गुजरात की गुजराती, कार्तिक गुजराती कैलेंडर, जैन कैलेंडर, हिंदू कैलेंडर, केरल मलयालम, अरुणाचल भोटी, जम्मू कश्मीर की डोगरी, मिजोरम मिजो, असम की असमिया, बोडो, मणिपुर की मणिपुरी, गोवा की भांगर भूंय, मेघालय की खासी, नागालैंड, मराठी ज्यूयिश, सिंधी, अंग्रेजी, बुद्धिस्ट सहित मिलेट, अंबेडकर, सिरपुर आदि पर थीम बेस कैलेंडर इसमें शामिल हैं।

राजेंद्र ओझा

उलझे तारों से जिंदगियां रोशन करने वालों की जिंदगी के अंधेरे-उजाले

आंधी-तूफान, बरसात-लू के थपेड़ों के बीच जब हम घरों में कूलर और पंखे की ठंडी हवा में सुस्ताते रहते हैं तब लाइनमेन मुस्तैद रहते हैं कि प्रदेश के 60 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को निरंतर बिजली मिलती रहे। उन्हें पलभर भी बिना बिजली के न रहना पड़े। इसके लिए वे तपती गर्मी में किसी खंभों में चढ़कर उलझे हुए तारों को बांचते रहते हैं। बिजली खंभों के दर्जनों उलझे तारों को पढ़ना और उसे सही तरीके से बनाए रखने का चुनौतीपूर्ण कार्य लाइनमेन ही करते हैं। ताकि प्रदेश के 3.15 करोड़ आबादी 2023 को हर क्षण बिजली मिलती रहे। इन्हीं लाइनमेन के कार्यों को सम्मानित करने उन्हें हौसला देने लाइनमेन दिवस मनाने की शुरुआत की गई। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के विभिन्न कार्यालयों में इस वर्ष लाइनमेन दिवस हर्ष एवं उल्लास के साथ मनाया गया, जिसमें लाइनमेन को सम्मानित करते हुए उनकी सेवा और समर्पण को याद किया गया।

लाइनमेन दिवस, एक अच्छी शुरुआत

'लाइनमेन दिवस' देश भर में निर्बाध विद्युत वितरण सुनिश्चित करने वाले लाइनमेन और ग्राउंड मेंटेनेंस स्टाफ के समर्पण तथा सेवा के सम्मान में मनाया जाता है। इसकी शुरूआत केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, विद्युत मंत्रालय ने 2021 में की। इसका उद्देश्य विद्युत उत्पादन से लेकर पारेषण और वितरण में लगे लाखों कर्मियों की सेवा को रेखांकित करना है। इस वर्ष 4 मार्च 2024 लाइनमेन दिवस के चौथे आयोजन पर देश के विद्युत ऊर्जा क्षेत्र के फ्रंटलाइन श्रमिकों की सेवाओं को सराहा गया। लाइनमेन दिवस की थीम 'सेवा, सुरक्षा, स्वाभिमान' लाइनमेन की प्रतिबद्धता,

बलिदान और समाज में योगदान को रेखांकित करती है। इस कार्यक्रम में सुरक्षा सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान, सुरक्षा यंत्रों और उपकरणों का प्रदर्शन एवं कार्यस्थल सुरक्षा प्रोटोकॉल को सुदृढ़ करने के लिये उपाय बताये गए।

राजनांदगांव

खैरागढ़ के संभागीय कार्यालय में लाइनमेन दिवस पर कार्यक्रम आयोजित कर लाइनकर्मियों को सम्मानित किया गया। मुख्य अभियंता श्री टी.के. मेश्राम ने लाइनकर्मियों को सुरक्षा उपकरणों एवं उपायों के पालन सुनिश्चित करने के उपाय बताये। समस्त मैदानी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को फील्ड में कार्य करने के दौरान सुरक्षा उपायों को मूलमंत्र बनाकर सुरक्षित ढ़ंग से कार्य करने की शपथ दिलाई। इस दौरान उनके साथ अधीक्षण अभियंता श्री सतीश कुमार शर्मा, कार्यपालन अभियंता परियोजना श्री संतोष कुमार चन्द्राकर, कार्यपालन अभियंता खैरागढ़ श्री छगन शर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अंबिकापुर

भारत सरकार की पहल पर पहली बार अंबिकापुर के गांधीनगर स्थित कल्याण भवन में 04 मार्च को लाइनमेन दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ लाइनमेन के द्वारा अपने जीवनकाल के अनुभवों को एक-दूसरे से साझा करते हुए कर्मियों को सेवा, सुरक्षा और स्वाभिमान के साथ डयूटी करने की सीख दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य अभियंता श्री शिरीष शैलेट के द्वारा विद्युत विभाग के मैदानी अमले को सुरक्षा के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि अधीक्षण अभियंता सर्वश्री आर.के. मिश्रा, कार्यपालन अभियंता एस.पी.कुमार, आर. नागवंशी, एस.के. प्रजापति सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

रायगढ़

रायगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय परिसर में 4 मार्च को लाइनमेन दिवस का आयोजन किया गया।

जिसमें रायगढ़ एवं जांजगीर वृत्त के सभी संभागों से लाइन सुपरवाइजर, लाइन निरीक्षक, लाइनमेन,तकनीशियन (वितरण), सहायक लाइनमेन तथा मददगार आदि श्रेणी के लगभग 90 लाइन कर्मचारी उपस्थित हुये। इस आयोजन में हाल ही में सेवानिवृत्त हुये 08 लाइन कर्मचारियों को गमछा एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता श्री व्ही. पी. पटेल, श्री मनीष तनेजा, कार्यपालन अभियंता श्री बलराम साहू, आरके राव, श्रीमती आशा कुंडू सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

रायपुर(ग्रामीण)

रायपुर ग्रामीण क्षेत्र में 4 मार्च को लाइनमेन दिवस मनाया गया। इसमें कार्यपालक निदेशक श्री संदीप वर्मा ने लाइनमेन व बाह्य स्त्रोत के लाइन कर्मचारी को सम्मानित किया व धन्यवाद दिया। सभी कर्मचारियों के सुरक्षा उपकरण की जांच करके उन्हें अन्य सुरक्षा उपकरण लाइनमेन बैग के साथ प्रदान किए गए तथा समस्त तकनीकी कर्मचारियों की सुरक्षा ड्रिल भी करवाई गई। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री ए .के. गौरहा, अधीक्षण अभियंता श्री अशोक खंडेलवाल, कार्यपालन अभियंता श्री शशांक श्रीवास्तव सहित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

बिलासपुर

तिफरा स्थित कल्याण भवन में लाईनमेन दिवस मनाया गया। जिसमें विभिन्न मैदानी कार्यालयों में कार्यरत 60 लाइनकर्मियों को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया । इस अवसर पर एक कार्यशाला भी आयोजित किया गया, जिसमें दुर्घटना रहित कार्यशैली पर प्रशिक्षण दिया गया। बिलासपुर क्षेत्र के मुख्य अभियंता श्री ए.के.धर ने कर्मियों से सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए कार्य करने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री डी.के.भोजक ने मैदानी अमले को सुरक्षा उपकरणों जैसे सेफ्टी बेल्ट, हेलमेट, दस्ताने, टेस्टर, डिस्चार्ज रॉड आदि का उपयोग करते हुए कार्य करने के साथ ही सुरक्षा उपकरणों की नियमित तौर से जांच करने एवं खराब होने

पर उन्हे तत्काल बदलने के निर्देश दिये। अंत में बिलासपुर क्षेत्र अंतर्गत मैदानी स्तर पर कार्यरत 10 कर्मियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अधीक्षण अभियंता श्री सुरेश जांगड़े, कार्यपालन अभियंता श्री एच.के.मंगेशकर, सहायक अभियंता श्री गिरीश श्रीवास्तव एवं प्रकाशन अधिकारी श्री मुकेश माथुर उपस्थित रहे।

जानलेवा दुर्घटनाएं भी नहीं तोड़ पाईं पिता का हौसला

मेरे सुपरहीरो- मेरे पिता, वरिष्ठ पत्रकार बेटे की भावनाएं

लगभग 34 साल की सेवा के बाद मेरे पापा बिजली विभाग की सेवा से रिटायर हो गए। यह दिन मेरे और मेरे घर वालों के लिए इसलिए भी खुशी का विषय है क्योंकि अब से कोई मन में भय नहीं कि बिजली की किसी दुर्घटना से पापा का फिर वास्ता होगा। फिर इसलिए क्योंकि दो बार पिताजी बिजली की गंभीर दुर्घटना से जीत चुके हैं।

मैंने अपने पापा का असली चेहरा नहीं देखा है। जब मैं 4 साल का था, तब विश्रामपुर में पिताजी बिजली के खंभे पर बिजली सुधार रहे थे, फोन का जमाना नहीं था। बिना सूचना के स्टॉफ चेंज हुआ, सब स्टेशन से बिजली चालू कर दी गई। पापा का पूरा चेहरा बिजली से जल गया। खुद ही खंभे से कूदे, अस्पताल पहुंचे, पूरा चेहरा मूंछ-दाढ़ी-बाल सबकुछ जल गया। उनकी त्वचा की जन्मजात मासूमियत जाती रही। अब महीनों के ईलाज के बाद नया चेहरा सामने था। पुराना चेहरा मुझे याद भी नहीं है, मैं दुर्घटना के बाद इसी चेहरे को जानता हूं।

पिताजी के साथ दूसरी घटना भी मुझे याद है। वर्ष 2006 के आसपास बिलासपुर के 27 खोली में ट्रांसफार्मर के ग्रिप में प्लायर शार्ट हो गया। बहुत तेज चिंगारी निकली, दाहिना हाथ कोहनी तक जल गया। अब दाहिने हाथ की चमड़ी भी बिलकुल नई हो गई है।

खैर लंबी सेवा अवधि के बाद अब पापा लाइनमेन से रिटायर हो रहे हैं, पुलिस की भाषा में इसे सब इंस्पेक्टर थानेदार के समकक्ष मानिए, लेकिन काम श्रम का जोखिम भरा।

इसी नौकरी में रहते उन्होंनें मुझे मेरी इच्छा से जो पढ़ने का दिल किया पढ़ाया, अपने समय के बेस्ट हिंदी मीडियम स्कूल में पढ़ाया। दो बड़ी दीदी और मुझे मिलाकर तीनों बच्चों की शादी की, घर बनवाए, एक-एक कर जिम्मेदारियां पूरी करते गए।

उनके सेवा काल के रिटायरमेंट से अब हम सभी लोग बिजली संबंधी दुर्घटना की चिंता से मुक्त हुए। मेरे जो मित्र पापा को जानते हैं उनके पापा से भी उतने ही अच्छे संबंध हैं। मैं तो खूब पिटाई खाते हुए अब खुद पिता बनने के बाद उनसे मित्रवत संबंध स्थापित कर पाया। बुलंद आवाज, चेहरे पर तेज, तनी हुई मूछें, माथे में त्रिपुंड तिलक, कोई व्यसन नहीं, लहसून प्याज का परित्याग, सादा जीवन, साल में एक बार तीर्थ यात्रा, अपने हाथ से जनेउ बनाकर धारण करना। उनका जीवन एक तपस्या की तरह लगता रहा है। इसलिए पत्थलगांव, विश्रामपुर, सूरजपुर, राजपुर, शंकरगढ़ और बिलासपुर के लोग जिनका बिजली विभाग के कामों से वास्ता पड़ा वो उन्हें तिवारी महराज के नाम से ही संबोधित करते रहे हैं।

अपने पूरे सेवा काल में एक बेहतरीन कुशल परिश्रमी श्रमिक की तरह वो अपने कार्य में श्रेष्ठतम बने रहे। उन्होंने अपने शार्गिदों को भी पारंगत किया है। हमने उनसे ही सीखा कि कोई काम छोटा-बड़ा नहीं होता है, जो काम कर रहे हैं उसे इतने बेहतर ढंग से कि कोशिश में आपकी गिनती श्रेष्ठ लोगों में हो।'' हमने उनसे सीखा किसी भी दुःखद परिस्थिति में आह नहीं, बहुत खुशी के दिन में वाह नहीं।'' ये तो सबके पापा का पेटेंट है तोला का चिंता हे तोर बाप अभी जिंदा हे।''

उन्होंने अपने कितने साथियों को बिजली दुर्घटनाओं में खोया हैं। 34 साल उनके ट्रांसफार्मर, लाइन, खंभा, जंफर, डीओ, ग्रिप, केबल, प्लायर, हथौड़ी, दस्ताने जैसे शब्दों के बीच गुजर गए। इसके बाद खेती पर भी ध्यान देना वो बोनस, इस तरह से मेरे पिता श्रमिक और किसान दोनों हैं। मेरे सुपरहीरो रिटायर हो रहे हैं, यह केवल ईश्वर से उन्हें सलामत रखने के लिए आभारी रहने का दिन है।

केदारनाथ अग्रवाल ने ऐसे ही श्रमवीरों के लिए लिखा है-

मैंने उसको, जब जब देखा, लोहा देखा
लोहा जैसा, तपते देखा, गलते देखा, ढलते देखा
मैंने उसको गोली जैसा चलते देखा
मैंने उसको, जब जब देखा, लोहा देखा

▪ **देवेश तिवारी, अमोरा**
(वरिष्ठ पत्रकार, इंडिया टुडे, छत्तीसगढ़)

रामप्रसाद सिन्हा
रायपुर

हमारी कठिन सेवाओं के प्रति संवेदनशीलता जरुरी

मैं 30 साल से लाइन का काम देख रहा हूं। यह कार्य बहुत ही चुनौतीपूर्ण रहता है। आम उपभोक्ताओं की नाराजगी झेलते हुए उन्हें धैर्य के साथ विद्युत सेवा प्रदान करना हमारा लक्ष्य होता है। कई बार धूप, बारिश, आंधी के बीच काम करना होता है, ऐसे में परिवार के लोग भी चिंतित हो जाते हैं। फिर भी हमें पॉवर कंपनी ने सभी लोगों के जीवन में रोशनी पहुंचाने का कार्य दिया है, उसे पूरी जिम्मेदारी से पूरा करने का प्रयास करते हैं। कई मौकों पर लोग गुस्से में मारपीट भी करने लगते हैं, परन्तु वे समझते नहीं कि, हम उनकी ही परेशानी को दूर करने में लगे रहते हैं। ऐसा करते वे अपनी ही समस्या को बढ़ाते हैं। पहली बार लाइनमेन दिवस बनाकर हमारे कार्य, सेवा और समर्पण की सराहना की जा रही है, यह हमारे लिए प्रेरणादायक है।

कभी पानी में तैरकर सुधारा, कभी सीढ़ी गिर गई, कभी भालू का सामना

रामानुज साहू,
बेमेतरा

बेमेतरा में पदस्थ परीक्षण सहायक श्रेणी - दो श्री रामानुज साहू अपने कार्यकाल के अनुभव बताते हैं कि विद्युत मण्डल में उनकी पहली नियुक्ति 12 जून 2002 को परिचारक श्रेणी - दो (लाइन) के पद पर प्रशिक्षु के रूप में पेण्ड्रा रोड में हई। घने जंगलों से घिरे होने के कारण उस क्षेत्र में 15 से 20 किलोमीटर तक सायकल चलाकर पहाड़ी क्षेत्रों में लाइन सुधार संबंधी कार्यो हेतु जाना पड़ता था। प्रतिदिन 04 से 05 पोल पर चढ़कर कार्य करना पड़ता था। लेकिन सुदूर आदिवासी अंचल में विद्युत व्यवस्था बहाल होने पर ग्रामीणों द्वारा काफी सम्मान किया जाता था, जिनके कारण अनेक समस्या होने पर भी कार्य में संतोष मिलता था।

"एक बार 33 के.व्ही.लाइन पेट्रोलिंग के दौरान मरवाही के घनघोर जंगल में दो भालू अचानक मेरे सामने आ गए, जिससे मैं बहुत डर गया। परन्तु हिम्मत करके मैं वहीं शांत खड़ा रहा और कुछ समय पश्चात् भालू वहां से चले गए। इस घटना को याद कर आज भी मेरे रोंगटे खड़े हो जाते हैं। मुझे लगा था कि मैं अपने परिवार से दोबारा मिल नहीं पाऊँगा। इसी तरह एक और अन्य घटना के विषय में चर्चा करते हुए श्री साहू ने बताया कि मारो मुख्यालय में ड्यूटी के दौरान एक दिन मैं लाइनमेन के साथ एल टी लाइन में काम कर रहा था। सीढ़ी के माध्यम से पोल में चढ़ा हुआ था इसी दौरान लाइनमेन सामान लाने थोड़ी दूर चला गया तभी वहां से गुजर रहे गाय ने सीढ़ी को ठोकर मार दिया, जिससे सीढ़ी गिर गई। परंतु सेफ्टी बेल्ट एवं हेलमेट लगाकर कार्य करने की वजह से मेरी जान बच गई। उस समय मुझे समझ आया कि प्रशिक्षण के दौरान बताई गई सावधानी एवं सुरक्षा उपकरणों के उपयोग से किसी भी अनहोनी को टाला जा सकता है। एक रात अत्यधिक बारिश होने के कारण 33 के.व्ही. लाइन फाल्ट हो गई, पेट्रोलिंग के दौरा ग्राम दामाखेड़ा के पास एक पेड़ 33 के.व्ही. लाइन में गिर हुआ था। जिसके कारण नांदघाट, टेमरी एवं मारो उपकेन्द्र की पूरी सप्लाई बंद हो गयी थी। मैं अकेला ही कुल्हाडी लेकर लगभग 400 मीटर पानी में तैरते हुए पेड़ को तार से अलग कर के 33 के.व्ही. लाइन को चालू कराया।"

"वर्ष 2009 में मेरा स्थानान्तरण बेमेतरा वितरण केन्द्र में हो गया। वहां बारिश के दौरान 100 बिस्तर शासकीय अस्पताल के सामने जल भराव हुआ था। जिससे हमारा एक ट्रांसफार्मर का बाक्स पानी में डूब गया, जिसके कारण आसपास के क्षेत्रों में करंट फैल गया। सूचना मिलने पर मेरे द्वारा प्रभावित जगह भरे पानी में तैरते हुआ ट्रांसफार्मर का डी.ओ. निकाला गया एवं त्वरित गति से विद्युत आपूर्ति बहाल की गई। जबकि इसी समय अस्पताल में आपरेशन शिविर चल रहा था। इस कार्य के लिए मुझे जिला स्तर में प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। मुझे ऐसे चुनौतीपूर्ण कार्य करने का मौका मिल रहा है, इस पद पर मैं गर्व करता हूं।"

दो बेटे मर्चेंट नेवी में

ए कृष्णा राव,
बिलासपुर

श्री ए.कृष्णा राव 1997 में लाईन परिचारक के पद पर कार्यरत हैं, वर्तमान में वे मीटर टेस्टिंग संभाग बिलासपुर में लाइनमेन के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने बताया- हमारा कार्यक्षेत्र काफी वृहद है, हमारे कार्यक्षेत्र के अंतर्गत बिलासपुर, मुंगेली, अकलतरा, चांपा, कोरबा एवं सक्ती सम्मिलित हैं। इन क्षेत्रों में मीटर टेस्टिंग तथा एम.ई टेस्टिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को पूर्ण किया जाता है। एम.ई टेस्टिंग के द्वारा औद्योगिक संस्थानों में स्थापित मीटरों की जांच की जाती है, जिससे कि कंपनी को राजस्व की हानि होने से बचाया जा सके। श्री राव ने बताया कि एस.टी. आर.ई. में पदस्थापना के दौरान मुख्यालय से दूर वनांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों में नवीन विद्युत लाईनों के निर्माण तथा विस्तार हेतु सुबह घर से जाना पड़ता था, किंतु कार्य के महत्व को देखते हुये घर वापस आने में विलंब होता था, ऐसी विकट परिस्थितियों में मेरी पत्नी ए. कुमारी ने भरपूर सहयोग प्रदान किया तथा दोनों बच्चों की देखरेख एवं परवरिश में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। परिवार तथा अपने कार्यों में सामंजस्य स्थापित कर उन्हें सही दिशा प्रदान करने में पॉवर कंपनी का महत्वपूर्ण योगदान है। जिसके कारण मेरे दोनों पुत्र सम्मानजनक स्थान पर पहुंचाने में कामयाब रहे। मेरे बड़े बेटे ने ए.भास्कर राव ने विशाखापट्टनम से मर्चेन्ट नेवी का प्रशिक्षण प्राप्त कर दुबई की कंपनी में मर्चेन्ट नेवी के पद पर नौकरी प्रारंभ की तथा वर्तमान में सिंगापुर में पदस्थ है। दूसरा बेटा श्री ए. कार्तिक राव मुंबई से मर्चेन्ट नेवी का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा है।

नया स्तंभ : जिंदगी के अंधेरे-उजाले

'संकल्प' में एक नए नियमित स्तंभ की शुरुआत की जा रही है, जिसका शीर्षक है 'जिंदगी के अंधेरे-उजाले'। मकसद है ऐसे कर्मवीरों की जिंदगी के अंधेरे-उजाले पहुलओं पर रोशनी डालना और इनके काम की चुनौतियों के साथ इनके जज्बे को सामने लाना। लाइनमेन इस श्रृंखला की अग्रिम पंक्ति के नायक स्वाभाविक रूप से हैं लेकिन ऐसे और भी कार्य हैं, जहां अपने दायित्वों का निर्वाह भी किसी युद्ध लड़ने से कम नहीं होता। बिजली घरों में बॉयलर, टरबाईन, कनवेयर बेल्ट, ट्रांसमिशन नेटवर्क में अति उच्चदाब क्षमता के विद्युत उपकेन्द्र, नदी-पहाड़-जंगल आदि स्थानों पर जान की बाजी लगाकर, जनसेवा करने वाले विद्युतकर्मी नायक-नायिकाओं को समर्पित होगा यह स्तंभ। कृपया कार्य की कठिनाईयों और जोखिमयुक्त कार्य दशाओं की तस्वीरें भी इस स्तम्भ के लिए अपने आलेख के साथ भेंजें। ▪ **संपादक**

... इसलिए मिला था गणतंत्र दिवस पर राज्य स्तरीय पुरस्कार, मेरी कहानी-मेरी जुबानी...

श्री वाय. के. दीक्षित

अधीक्षण अभियंता (बॉयलर)

1x500 मे.वा. विस्तार HTPS कोरबा (पश्चिम)

हसदेव ताप विद्युत गृह के 1x500 मे.वा. विस्तार संयंत्र के वार्षिक रखरखाव 2023-24 का कार्य निष्पादन माह-जुलाई में संपन्न किया गया। वार्षिक रखरखाव कार्य के क्रम में विभिन्न वाल्व जैसे बॉयलर ड्रेन वाल्व, सी.बी.डी.वाल्व, ई.बी.डी. वाल्व स्टार्टअप वेन्ट सुपर हिटर ड्रेन में Passing की संभावना को चिन्हित किया तथा एक-एक कर सभी वाल्वों का Lapping और ब्लू मेचिंग कर सुधार कार्य किया गया तथा जिन वाल्वों में सुधार कार्य संभव नहीं था, उन्हें बदल कर नया वाल्व लगाया गया। इस तरह सुधार कार्य की लागत को कम से कम रखने में सफलता प्राप्त किया।

बॉयलर वाल्व के मरम्मत तथा Replacement के कार्य के पश्चात 1x500 मे.वा. इकाई में BHEL के मानकों के अनुसार DM Water की अधिकतम खपत की मान्य सीमा 350 MT से काफी कम 210 MT के स्तर पर लाने में कामयाबी प्राप्त किया। जिससे कंपनी को लगभग 7 लाख रूपये मासिक की बचत हो रही है। मुझे वरिष्ठ अधिकारियों का मार्गदर्शन और कनिष्ठ कर्मचारियों का पूरा सहयोग लिया। अपनी टीम को दृढ़ता से लीड किया।

विंध्याचल गुप्ता

सहायक अभियंता

राज्य भार प्रेषण केंद्र

किसी ट्रांसमिशन नेटवर्क के एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में, पॉवर की अधिकतम मात्रा (Quantum) जो की पॉवर सिस्टम की स्थिरता को बनाए रखते हुए स्थानांतरित (Transfer) की जा सकती है, उसे उस क्षेत्र की ATC (Available Transfer Capability) कहते हैं।

01 नवम्बर 2023 के पूर्व तक राज्य की सेंट्रल ग्रिड (पॉवरग्रिड) से पॉवर लेने (Draw) हेतु ATC 2540 मेगावॉट थी। जनवरी-सितंबर 2023 तक छत्तीसगढ़ राज्य की पॉवर की अधिकतम मांग (Maximum Demand) 6157 मेगावॉट एवं अधिकतम आहरण (Maximum Drawal) 3721 मेगावॉट तक पहुँच चुका था, जो की राज्य के इम्पोर्ट ATC से ज्यादा था। इस दौरान WRLDC (पश्चिम क्षेत्रीय भार प्रेषण केंद्र) छत्तीसगढ़ राज्य को जरूरत पड़ने पर ATC लिमिट से ज्यादा पॉवर भी शेड्यूल कर देता था।

केन्द्रीय विद्युत विनियामक आयोग (CERC) ने GNA (जनरल नेटवर्क एक्सेस) रेग्युलेशन एवं IEGC(इंडियन इलेक्ट्रिसिटी ग्रिड कोड) रेग्युलेशन 2023 को 01.10.2023 से लागू करने की घोषणा कर दी, जिसमे ATC की निर्धारित मात्रा से ज्यादा पॉवर शेड्यूल करना प्रतिबंधित था। इस परिस्थिति में राज्य के ATC को बढ़वाना अति आवश्यक हो गया था, अन्यथा WRLDC द्वारा जरूरत से कम पॉवर शेड्यूल करने पर राज्य में पॉवर की कमी हो जाती और मजबूरन लोड शेडिंग करनी पड़ती इससे डीएसएम चार्ज के रूप से राज्य को बड़ा आर्थिक नुकसान भी होता है।

राज्य के इम्पोर्ट ATC के लिमिटिंग कॉन्स्ट्रेनट्स, पॉवरग्रिड भाटापारा एवं पॉवरग्रिड रायगढ़ से CSPTCL की लिमिटेड कनेक्टिविटी थी। पॉवरग्रिड भाटापारा में नया ट्रांसफॉर्मर शीघ्र ही ऊर्जीकृत होना था और CSPTCL ने पॉवरग्रिड रायगढ़ पर निर्भरता कम करने के लिए मेसर्स JPL की दो लाइनों को ऊर्जीकृत करने का निर्णय किया। इस परिपेक्ष्य में निम्न कार्य मुझे सौंपे गए थे।

(1) मेसर्स JPL की दो लाइनों को किस प्रकार CSPTCL ग्रिड से जोड़ा जाय ताकि ATC निर्धारण में ज्यादा से ज्यादा फायदा हो सके, पॉवर फ़्लो स्टडी के माध्यम से इसके निर्धारण का कार्य।

(2) मेसर्स JPL की दोनों लाइनों को CSPTCL ग्रिड से जोड़ने के लिए सारी प्रक्रियाएं पूरी कर WRLDC से फर्स्ट टाइम चार्जिंग (FTC) की स्वीकृति लेना।

(3) पॉवरग्रिड भाटापारा के नए ट्रांसफॉर्मर, नए ऊर्जीकृत होने वाले मेसर्स JPL – रायगढ़ लाइन, नए ऊर्जीकृत होने वाले मेसर्स JPL – गेरवानी लाइन इत्यादि नेटवर्क इम्प्रूवमेंट कार्यों को संज्ञान में लेते हुए, पॉवर फ़्लो स्टडी के माध्यम से CSPTCL के सेंट्रल ग्रिड (पॉवरग्रिड) से इम्पोर्ट ATC का पुनः निर्धारण करना एवं WRLDC से उसका अनुमोदन करवाना।

इन कार्यों को अपनी तीव्र इच्छाशक्ति, अथक परिश्रम और समर्पण से उचित समयावधि में पूर्ण करवाया। इस उल्लेखनीय कार्य की वजह 01.11.2023 से छत्तीसगढ़ राज्य के ATC का निर्धारण 3536 मेगावॉट संभव हो सका और छत्तीसगढ़ राज्य को अनावश्यक लोड शेडिंग एवं डीएसएम चार्ज के माध्यम से होने वाले बड़े आर्थिक नुकसान से बचा पाना संभव हो सका।

आकांक्षा वर्मा
प्रोग्रामर
ऊर्जा सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र

बैंक खाते के साथ सी.आर.ए (एन. एस.सी/ऊर्जा बिल के विरुद्ध प्राप्त भुगतान) के मिलान की नई प्रक्रिया की प्रोग्रामिंग पूर्व में क्षेत्रीय लेखा कार्यालय (RAO), CRA (NSC/ऊर्जा बिल के विरुद्ध प्राप्त भुगतान) और बैंक खाते का मिलान करता था और SAP के FICO मॉड्यूल में पोस्टिंग करता था। इस पोस्टिंग के दौरान CRA में प्रदर्शित राशि SAP के बिलिंग मॉड्यूल में मौजूद है या नहीं, इसकी जाँच नहीं की जाती थी । FICO मॉड्यूल में पंचिंग के दौरान गलती/गड़बड़ी की आशंका भी बनी रहती थी। त्रुटि को कम करने एवं एसएपी के बिलिंग मॉड्यूल और बैंक खाते के साथ सीआरए के उचित मिलान के लिए SAP में नई प्रक्रिया की प्रोग्रामिंग मेरे द्वारा की गई है। RAO उपयोगकर्ता इस नई विकसित प्रक्रिया में CRA नंबर को पंच करता है, जो बदले में SAP बिलिंग मॉड्यूल से सभी भुगतान विवरण प्राप्त करता है और इसे स्क्रीन पर उपयोगकर्ता को प्रदर्शित करता है। RAO उपयोगकर्ता स्क्रीन पर दिखाई गई राशि का बैंक खाते से मिलान करता है। यदि सही पाया जाता है, तो उपयोगकर्ता सबमिट बटन पर क्लिक करता है और FICO मॉड्यूल में इसकी प्रविष्टि प्रोग्राम स्वतः ही करता है। इस प्रकार बिलिंग मॉड्यूल में अंकित भुगतान राशि, सीआरए और बैंक खाते से मिलान किया जाता है। इस नई प्रक्रिया से RAO में रिकॉन्सिलिएशन का कार्य सरल हुआ है। इस प्रक्रिया का प्रमुख लाभ यह है कि वित्त विभाग (Head Office) केंद्रीय रूप से निगरानी कर सकता है कि कितने सीआरए का बैंक खाते के साथ मिलान कर लिया गया है। इस नई प्रक्रिया से भुगतान पोस्टिंग से संबंधित गबन को रोकने में भी सहायता मिल रही है। गत वित्तीय वर्ष 2023-24 में प्रदेश स्थित सभी RAO में 25 अरब रुपयों से भी अधिक राशि का मिलान इस नयी प्रक्रिया के माध्यम से हुआ है।

SAP के Billing module में की जाने वाली चेक बाउंस से सम्बंधित एंट्रीज में एकरूपता लाने हेतु प्रोग्रामिंग ऊर्जा बिल भुगतान के एवज में प्राप्त चेक कभी-कभी बाउंस हो जाते हैं। चेक बाउंस से संबंधित प्रविष्टि SAP में क्षेत्रीय लेखा कार्यालय (RAO) द्वारा की जाती है। चेक बाउंस के लिए अलग-अलग RAO अलग-अलग जुर्माना लगाते थे और इसमें एकरूपता नहीं थी। चेक बाउंस होने की सूचना डिवीजन कार्यालय को 2 -3 माह बाद ही पता लग पाती थी । सूचना के आधार पर डिवीजन कार्यालय उपभोक्ता खाते में अधिभार पोस्ट करता था। हालाँकि, कई मामलों में यह अधिभार पोस्ट नहीं किया गया या फिर सिर्फ एक ही महीने का सरचार्ज पोस्ट किया गया, जिसके परिणामस्वरूप राजस्व हानि होती थी । चेक बाउंस पोस्टिंग की प्रक्रिया में एकरूपता लाने के लिए, SAP में चेक बाउंस मामलों को दर्ज करने के लिए एक नयी प्रक्रिया की आवश्यकता थी जिसकी प्रोग्रामिंग मेरे द्वारा की गई है। यह प्रोग्राम स्वचालित रूप से चेक प्राप्त होने की तारीख और एसएपी में चेक बाउंस प्रविष्टि की तारीख के बीच के महीनों के लिए अधिभार(surcharge) की गणना करता है। अधिभार पोस्ट करने के अलावा, यह उपभोक्ता पर लगाए जाने वाले जुर्माना को भी स्वचालित रूप से पोस्ट करता है। इस नव विकसित प्रक्रिया से Billing module के चेक बाउंस प्रक्रिया में एकरूपता आ गई है। सरचार्ज लगाने के लिए डिवीजन कार्यालय पर निर्भरता खत्म होने से राजस्व हानि भी कम हुई है।

सिविल विभाग के लिए SAP में प्राक्कलन बनाने की नई प्रक्रिया की प्रोग्रामिंग

चूंकि SAP के मटेरियल मैनेजमेंट मॉडल में सिविल कार्य सम्बन्धी प्राक्कलन बनाने की सुविधा नहीं थी, छ.स्टेट.पॉ.कं.लि के सिविल विभाग एस्टीमेट तैयार करने के लिए बाहरी विक्रेता द्वारा निर्मित सॉफ़्टवेयर का उपयोग करता था, जिसके लिए उन्हें लाइसेंस लागत का भुगतान करना पड़ता था। इस व्यय को कम करने हेतु SAP में सिविल विभाग के कार्यों के प्राक्कलन बनाने के लिए नई प्रक्रिया की प्रोग्रामिंग मेरे द्वारा की गई। इसके लिए सबसे पहले मैंने सिविल विभाग के मुख्यालय स्थित कार्यालय में जाकर मौजूदा बाहरी सॉफ़्टवेयर का ध्यानपूर्वक अध्ययन किया। SAP में बाहरी सॉफ्टवेयर जैसी हुबहू प्रक्रिया बनानी ज़रूरी थी ताकि उपयोगकर्ता को मौजूदा सॉफ़्टवेयर से SAP की नई प्रक्रिया में आने पर कोई कठिनाई ना हो और वे इसका सरलता से प्रयोग कर सकें। यह कार्य काफ़ी चुनौतीपूर्ण था। मैंने इसे सीखने के लिए एक बहुत अच्छे अवसर के रूप में देखा। इस नई प्रक्रिया की प्रोग्रामिंग से छ.स्टेट.पॉ.कं.लि को बाहरी सॉफ़्टवेयर की लाइसेंसिंग लागत की बचत हुई।

सौर नेट मीटरिंग के लिए नए ऊर्जा बिल प्रारूप की प्रोग्रामिंग सोलर नेट मीटरिंग उपभोक्ताओं को इम्पोर्ट और एक्सपोर्ट रीडिंग के आधार पर बिल दिया जाता है। सामान्य निम्नदाब उपभोक्ताओं को दिए जाने वाले ऊर्जा देयक में एक्सपोर्ट रीडिंग और सोलर जनरेशन मीटर की रीडिंग दिखाने का प्रावधान नहीं था। इस वजह से सोलर नेट मीटरिंग के उपभोक्ताओं में ऊर्जा देयक को लेकर संशय और असंतोष बना रहता था। सोलर नेट मीटरिंग के उपभोक्ताओं के लिए अलग ऊर्जा देयक प्रारूप की SAP में प्रोग्रामिंग मेरे द्वारा की गई है, जिसे अब ईमेल के माध्यम से उपभोक्ता को भेजा जाता है। नए प्रारूप से सोलर नेट मीटरिंग के उपभोक्ता ऊर्जा देयक से संतुष्ट है। मैंने श्रीमती ऐश्वर्या सोनी (DGM (IT), EITC) के मार्गदर्शन में पूर्ण किया।

अशोक कुमार वर्मा
कार्यपालक निदेशक
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी

> एक अभियंता के रूप में आप लोगों के जीवन को सुविधाजनक बनाने के कार्य को अंजाम देते हैं। अपने कार्य को लगन से करते हैं तो धीरे-धीरे उसमें दक्ष हो जाते हैं। यह दक्षता और अधिक बढ़ती है, जब आप अपनी योग्यता का विस्तार करते हैं। यही आपको जीवन में एक मुकाम और पहचान देती है।

इस स्तंभ में छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन, ट्रांसमिशन, डिस्ट्रीब्यूशन कंपनीज़ के वरिष्ठ अधिकारियों, विभाग प्रमुखों के जीवन वृत्त का प्रकाशन क्रमिक रुप से किया जा रहा है ताकि उनके व्यक्तित्व और कृतित्व से तीनों पॉवर कंपनियों के प्रदेश भर में पद्स्थ अधिकारी तथा कर्मचारी प्रेरणा लें। अपने-अपने क्षेत्रों में श्रेष्ठतम कार्य निष्पादन के लिये न सिर्फ नियमित दायित्वों का निर्वाह श्रेष्ठता से करें बल्कि नवाचार से प्रचलित परिपाटियों में बेहतर सकारात्मक सुधार के माध्यम भी बनें।

▪ **संपादक**

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री अशोक कुमार वर्मा का जन्म 20 अगस्त 1962 को छत्तीसगढ़ की इस्पात नगरी भिलाई में हुआ। उनके पिता स्व. श्री हरिलाल वर्मा एवं माता स्व. श्रीमती कैलाशीदेवी हैं। उन्होंने हायर सेकंडरी की परीक्षा बीएसपी स्कूल सेक्टर 06 से पूरी की। वर्ष 1985 में शासकीय इंजीनियरिंग कालेज बिलासपुर से बीई (आनर्स) उपाधि हासिल की। वे पूरे विश्वविद्यालय में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की प्रावीण्य सूची में दूसरे स्थान पर रहे। विद्यार्थी जीवन में उन्होंने मेधावी छात्र एवं उत्कृष्ट खिलाड़ी के रूप में पहचान बनाई। उन्होंने क्रिकेट, हाकी और शतरंज में विश्वविद्यालय स्तर पर स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

इसके पश्चात उन्होंने ट्रेनी इंजीनियर के तौर पर एक प्राइवेट स्टील प्लांट में, एनटीपीसी कोरबा में व होटल ताजमहल नई दिल्ली में भी छह-छह महीने कार्य करने का अनुभव प्राप्त किया। अविभाजित मध्यप्रदेश विद्युत मंडल में 1987 से उन्होंने अपने करियर की शुरुआत सहायक अभियंता के रूप में भारत सरकार के 26 उपक्रमों के संयुक्त (आर एंड डी) परियोजना (एच.वी.डी.सी.) बारसूर से की। सहायक अभियंता के तौर पर उन्होंने सिवनी, जबलपुर, भिलाई व बारसूर में टेस्टिंग, सब-स्टेशन व लाइन मेन्टेनेंस में सेवाएं दीं। उन्हें प्रथम पदोन्नति 2009 में कार्यपालन अभियंता के रूप में प्रदान कर कार्यपालक निदेशक (ट्रांसमिशन) कार्यालय रायपुर में पदस्थ किया गया। वर्ष 2015 में उन्हें अधीक्षण अभियंता पदोन्नत कर कार्यालय ईडी (सी. एंड एल.एम.) व (सी.एंड एल.एम.) वृत्त भिलाई में कार्य करने का अवसर प्रदान किया गया। वर्ष 2020 में उन्हें अतिरिक्त मुख्य अभियंता तथा 2021 में मुख्य अभियंता पदोन्नत किया गया। इस दौरान उन्होंने क्रमशः अतिरिक्त मुख्य अभियंता (सी एंड एम) और मुख्य अभिंयता (सी एंड आर.ए.) का दायित्व संभाला। 2022 में उन्हें ट्रांसमिशन कंपनी में मानव संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता तथा 2023 में कार्यपालक निदेशक नियुक्त किया गया। अपनी सेवा अवधि के दौरान श्री वर्मा ने अपनी योग्यता का निरंतर विस्तार किया। सेवाकाल में उन्होंने तीन महत्वपूर्ण अध्ययन पूरा किया। वर्ष 2002 में उन्होंने बीआईटी दुर्ग से पीजी डिप्लोमा इन इंडस्ट्रियल सेफ्टी का कोर्स पूरा किया। इस कोर्स के लिए छत्तीसगढ़ विद्युत मंडल ने उन्हें स्पांसर किया था। इसमें उन्होंने पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उन्होंने ब्यूरो ऑफ एनर्जी एफिसिएन्सी से वर्ष 2005 में एनर्जी मैनेजर तथा वर्ष 2006 में एनर्जी आडिटर की उपाधि हासिल की। श्री वर्मा को ईएचव्ही 132KV एवं 220KV सब-स्टेशन व लाइन के इरेक्शन, टेस्टिंग, कमीशनिंग, ऑपरेशन एवं मेन्टेनेंस का वृहद अनुभव है। इन्हें अविभाजित मध्यप्रदेश विद्युत मंडल के टर्न-की पद्धति से बनने वाले सर्वप्रथम 132 केव्ही ईएचव्ही सब-स्टेशन के निर्माण कार्य का सफलतापूर्वक निष्पादन करने का श्रेय भी है। साथ ही इन्होंने ईडी कार्यालय (ट्रांसमिशन) में रहते हुए टेंडर संबंधी कार्य का दक्षतापूर्वक संपादन किया। मानव संसाधन विभाग के कार्यपालक निदेशक रहते हुए इनके नेतृत्व में 'कैशलेस स्वास्थ्य योजना' को मूर्तरूप देकर लागू करवाने का ऐतिहासिक कार्य किया गया। इनके कार्यकाल के दौरान रिकार्ड समय में डीपीसी करके पदोन्नति करवाने सहित अनेक ऐतिहासिक व बहुप्रतिक्षित मूलभूत कार्यों का भी निष्पादन किया गया। श्री वर्मा वर्ष 2016 से छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के इकलौते इलेक्ट्रिकल सेफ्टी ऑफिसर नामित है।

कार्य के दौरान उन्हें उनके उत्कृष्ट कार्यों हेतु अनेक बार पुरस्कृत भी किया गया। मई 2007 एवं मई 2008 में मावोवादियों व्दारा सुदूर सघन वनांचल में क्रमशः झाराघाटी (नारायणपुर के निकट) 3 नग टावर एवं बोदली (छोटे डोंगर) में एक नग टावर को क्षतिग्रस्त कर दिया था, जिससे पूरे बस्तर संभाग में क्रमशः 11 दिन तथा 9 दिन तक विद्युत ब्लैक आऊट रहा, जिसे इनके नेतृत्व में रिकार्ड समय में दक्षतापूर्ण सुधार कर पुनः विद्युत सप्लाई बहाल की गई। इस उल्लेखनीय कार्य के लिए उन्हें दो बार अध्यक्ष महोदय ने पुरस्कृत किया। साथ ही वर्ष 2008 में मानव विज्ञान एवं सेवा संस्थान व्दारा विधानसभा अध्यक्ष श्री धरमलाल कौशिक व्दारा श्री वर्मा को "अभियंता प्रतिभा रत्न" अवार्ड से भी सम्मानित किया गया। श्री वर्मा की पत्नी श्रीमती सुनीता वर्मा यूनियन बैंक भिलाई में सीनियर मैनेजर रही हैं। उनकी सुपुत्री श्रीमती आशिता वर्मा ने एम.एस. रमैय्या विश्वविद्यालय बैंगलोर से बीएएलएलबी तथा कलिंगा विश्वविद्यालय रायपुर से साइबर लॉ में मास्टर डिग्री हासिल की, वे भी सम्पूर्ण यूनिवर्सिटी की प्रावीण्य में अव्वल रही तथा वर्तमान में बैंगलोर में एक आईटी कंपनी में लीगल हेड के रूप में कार्यरत् हैं। उनके दामाद श्री अभिषेक नोवार्टिस इंडिया कंपनी हैदराबाद में मैनेजर हैं। श्री वर्मा के सुपुत्र श्री आशीष वर्मा ने इसी वर्ष मनीला-फिलिपींस में चिकित्सा क्षेत्र में एमडी की पढ़ाई पूरी की है।

संजय शर्मा

कार्यपालक निदेशक

(हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम)

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी में कार्यपालक निदेशक (हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम) के पद पर पदस्थ श्री संजय शर्मा का जन्म 22 जुलाई 1962 को नागपुर (महाराष्ट्र) में हुआ। अपनी माता स्व. श्रीमती अंजली शर्मा व पिता स्व. श्री राजेन्द्र प्रसाद शर्मा से प्राप्त सुसंस्कार व सुशिक्षित बनने की यात्रा पथ पर आगे बढ़ते हुए वर्ष 1977 में शासकीय विद्यालय सीहोर (म.प्र.) से हायर सेकेण्डरी की परीक्षा उत्तीर्ण की। उनकी रूचि इंजिनियरिंग के क्षेत्र में थी, उन्होंने वर्ष 1982 में शासकीय अभियांत्रिकी महाविद्यालय जबलपुर (म.प्र.) से बी. ई. (मेकेनिकल.) की उपाधि अर्जित की। वर्ष 1984 में आपकी ग्रेजुएट ट्रेनी के पद से मध्यप्रदेश विद्युत मंडल में सेवा यात्रा प्रारम्भ हुई। उनकी प्रथम पदस्थापना हसदेव ताप विद्युत गृह में की गई एवं वर्ष जुलाई 1985 से 2005 तक आप 2×210 मे.वा. हसदेव ताप विद्युत गृह, पॉवर हाउस क्रमांक-01 में वे सहायक अभियंता के पद पर कार्यरत रहे। इन 20 वर्षों में आपने संयंत्र के यूनिट आंपरेशन व विशेषतः बॉयलर सुधार के कार्य में विशेष दक्षता का परिचय दिया, कार्य के प्रति समर्पण एवं लगन को देखते हुए उन्हें मध्य प्रदेश विद्युत मंडल के द्वारा वर्ष 1985 में पी.ए. फैन (210 मे.वा.) के प्रथम प्रमुख विभागीय संधारण पर मुख्यालय स्तर पर मैडल व प्रशस्ति पत्र दिया गया, तत्पश्चात उन्हें वर्ष 2005 में कार्यपालन अभियंता के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई। बॉयलर के संधारण में विशेषज्ञता त्वरित व सफलतापूर्वक किये गये कार्यों के कारण उनकी विशेष पहचान बनी, जिसके प्रतिफल के रूप में वे छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल के द्वारा वर्ष 2008 में पुनः एयर हीटर के पूर्ण नवीनीकरण (Renovation) के लिए मुख्यालय स्तर पर पुरस्कृत किये गये ।

वर्ष 2017 में अधीक्षण अभियंता के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई । वर्ष 2021 में अति. मुख्य अभियंता व वर्ष 2023 में मुख्य अभियंता व फरवरी 2024 में कार्यपालक निदेशक के शीर्ष पद पर पदोन्नत किये गये। आपने पॉवर हाऊस के संचालन/संधारण के अतिरिक्त कोल हस्तांतरण, स्टोर एवं परचेस व मुख्यालय में मानव संसाधन व भंडार व क्रय में कुशलता पूर्वक कार्य किया ।

हसदेव ताप विद्युत गृह के कोल हस्तांतरण विभाग की तृतीय स्ट्रीम (C) को पहली बार उनके ही कार्यकाल में वर्ष 2021 में सफलतापुर्वक संचालन में लाया गया। बॉयलर सुधार में विशेष रुचि लेते हुए सभी Rotary machines के उच्च गुणवता के संधारण को महत्व देते हए, ब्रेकडाउन मेंटेनेंस को उल्लेखनीय रूप से कम करने में सफलता अर्जित की ।

पत्नि श्रीमती निहारिका शर्मा एक शिक्षाविद् हैं एवं डी.पी.एस. कोरबा में लंबे समय तक शिक्षिका रही हैं। बडी पुत्री आराधना सेलट व दामाद श्री वरूण सेलट पुणे में बहुराष्ट्रीय कंपनियों में कार्यरत हैं, आराधना सेलट मेडलाइन इंडस्ट्रीसज़ में सीनियर बिजनेस एनालिस्ट व श्री वरूण सेलट ओरेकल इंडिया में सीनियर डाटा बेस एडमिनिस्ट्रेटर हैं एवं छोटी पुत्री रितिका शर्मा अमेजन सर्विसेस, बैंगलोर में मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं ।

वे कार्य क्षेत्र में तन्मयता से कार्य के अलावा समय मिलते ही संगीत विशेषकर गजलें सुनना पसंद करते हैं तथा सामयिक विषयों की जानकारी लेना व वन्यजीव संबंधी वृत चित्र देखना पसंद करते हैं। कड़ी मेहनत, लगन और लक्ष्य के प्रति ध्यान केंद्रित रखने को वे सफलता का मूल मंत्र समझते हैं।

पोषण कुमार कश्यप

महाप्रबंधक (मा.स.)

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में मानव संसाधन विभाग में महाप्रबंधक के पद पर पदस्थ श्री पोषण कुमार कश्यप का जन्म 9 जून 1962 को ग्राम गढ़वट, रतनपुर, जिला बिलासपुर में हुआ। बाल्यकाल से जिज्ञासु प्रवृत्ति होने के कारण मशीनों व तकनीकी विषयों में उनकी विशेष रूचि रही। पढ़ाई के प्रति सजगता व अध्ययन क्षमता को देखते हुये माता स्व. श्रीमती सफुरा देवी कश्यप व पिता श्री भगवती प्रसाद कश्यप ने आपको इंजीनियर बनने के आर्शीवाद से अभिसिंचित किया। वर्ष 1984 में शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय कोनी बिलासपुर से बी.ई (विद्युत) की पढ़ाई की व इंजीनियर बनने के सपने को पूरा किया। आज वे सफल इंजीनियर के तौर पर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ में सेवाएं दे रहे हैं।

डनका सेवा का सफर अविभाजित मध्यप्रदेश विद्युत मंडल से वर्ष 1987 में स्नातक प्रशिक्षु के पद पर हुआ जहां वे कार्यालय केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान में प्रथम पदस्थापना हेतु जबलपुर पहुंचे। उन्होंने वर्ष 1989 से 1996 तक सहायक अभियंता के पद पर राजनांदगॉव जिले के नक्सल प्रभावित, वन आच्छादित एवं दुर्गम क्षेत्र औंधी तथा दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र चिल्फी में विपरीत परिस्थितियों में कार्य किये। इस पद पर बिलासपुर व कोटा में भी सेवायें देते रहे। वर्ष 2006 में कार्यपालन अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त कर बिलासपुर, जांजगीर, अकलतरा क्षेत्र की विद्युत सेवाएं में लीन रहे। वर्ष 2008 से 2012 की अवधि में एच.व्ही.डी.एस योजना के क्रियान्वयन हेतु सुनियोजित योजना बनाकर छत्तीसगढ़ राज्य में सर्वप्रथम अकलतरा संभाग में इस आयोजन का सफल संपादन किये। वर्ष 2016 में अधीक्षण अभियंता के पद का गौरव प्राप्त करते हुये वे रायपुर, बिलासपुर व रायगढ़ क्षेत्रों के विद्युतीकरण कार्य में संलग्न रहे। वर्ष 2017 से 2020 की अवधि में सौभाग्य योजना का कार्य चरम पर था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की इस महत्वकांक्षी योजना को सीमित समय पर पूरा करने का लक्ष्य था। इस योजना के तहत उनकी टीम ने बिलासपुर, मुंगेली, पेण्ड्रारोड़, के दुर्गम, वन आच्छादित, पहाडी क्षेत्र में शत् प्रतिशत विद्युतीकरण का लक्ष्य हासिल किया। वर्ष 2021 में अतिरिक्त मुख्य अभियंता व वर्ष 2023 में मुख्य अभियंता के पद पर पदोन्नति प्राप्त हुई।

इन 36 वर्षों की सेवायात्रा में वे विद्युत अधोसंरचना के कार्यों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाते रहे। प्रबंधन द्वारा सौंपे गये कार्यों को सुनियोजित तरह से व समय पर करने की उनकी विशेष योग्यता है। सेवाकाल में श्री कश्यप को जन्म स्थल बिलासपुर में ही विभिन्न अवधियों में कार्य करने का सुअवसर प्राप्त हुया। वे मानते हैं कि जन्म स्थल में सेवायें देना ,उनकी सबसे बड़ी सुखद संतुष्टि है।

सेवाकाल में पत्नी श्रीमती माधुरी कश्यप का भरपूर सहयोग रहा। श्रीमती कश्यप गृहिणी है। उनकी सुपुत्री निकिता कश्यप पी.एच.डी कर सहायक प्राध्यापक के पद पर गुरू घासीदास विश्वविद्यालय ,बिलासपुर में पदस्थ हैं। उनकी दूसरी सुपुत्री निधि कश्यप एम.डी रेडियोलॉजिस्ट की उपाधि हासिल कर अपना निजी क्लीनिक संचालित कर रही हैं। पुत्र श्री नितेश कुमार कश्यप एम.बी.ए कर नोवोनिसिस कंपनी बैंगलोर में बिजनेस फायनेंस एनालिस्ट के पद पर कार्यरत हैं।

डॉ. विवेक कुमार गोले

मुख्य चिकित्सा अधिकारी
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी, रायपुर

एक सफल चिकित्सक का सबसे बड़ा गुण उनकी मानवीयता और संवेदनशीलता होती है। दिन-रात और अपने सुख-दुख की चिंता छोड़कर वे अपने मरीजों के लिए समर्पित होते हैं। इसलिए डॉक्टरों को धरती का भगवान कहा जाना है। ये सारी विशेषताएं डॉ. गोले में हैं और उन्होंने आपने अपनी विशेषज्ञता और व्यवहार से चिकित्सा के क्षेत्र में विशिष्ट पहचान स्थापित की। यही कारण है कि विद्युत मंडल के अधिकारी-कर्मचारी आपसे पारिवारिक जुड़ाव महसूस करते हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी में मुख्य चिकित्सा अधिकारी के पद पर पदस्थ डॉ. विवेक कुमार गोले का जन्म 07 मई 1959 में महाराष्ट्र के नांदेड़ में हुआ। उनके पिता का नाम स्व. श्री बी.एस. गोले एवं माता का नाम स्व. श्रीमती विमल गोले है। हायर सेकंडरी की परीक्षा 1974 में माडल स्कूल भोपाल से पूरी की। इसके बाद उन्होंने भापोल के गांधी मेडिकल कालेज से 1982 में एम.बी.बी.एस. तथा वर्ष 1986 में मास्टर ऑफ सर्जन की उपाधि अर्जित की। उन्होंने अपोलो मेडिवर्सिटी हैदराबाद से फैलोशिप इन डायबिटिज प्राप्त किया है।

उनकी पत्नी डॉ. अल्का गोले भी जानी-मानी चिकित्सक हैं। वे पॉवर कंपनी में अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी रहीं। उनकी पहचान शिशु रोग विशेषज्ञ के रूप में है। आपकी दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी स्नेहा गोले ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) रायपुर से बीटेक किया है। उनका विवाह अहमदाबाद में हुआ है। दूसरी बेटी स्निग्धा गोले ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी (आईआईटी) खड़गपुर से बीटेक की उपाधि हासिल की है। वर्तमान में वे आईआईएम बैंगलोर से एमबीए करने के बाद सीनियर कंसल्टेंट के रूप में सेवाएं दे रही हैं।

अविभाजित मध्यप्रदेश विद्युत मंडल से उन्होंने वर्ष 1987 से चिकित्सा अधिकारी के पद से सेवायात्रा आरंभ की। इस पद पर रहते हुए उन्होंने मध्यप्रदेश के सारणी और छत्तीसगढ़ के कोरबा व गुढ़ियारी रायपुर में लगभग 20 साल सेवाएं दीं। वर्ष 2007 में उन्हें वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर पदोन्नति प्रदान की गई और उनकी पदस्थापना रायपुर क्षेत्रीय कार्यालय के गुढ़ियारी औषधालय में की गई। तब से आज तक वे गुढ़ियारी में ही सेवारत् हैं। विद्युत मंडल का गुढ़ियारी औषधालय उनकी पहचान बन गई है। वर्ष 2014 में उन्हें अतिरिक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं वर्ष 2024 में मुख्य चिकित्सा अधिकारी का दायित्व सौंपा गया। इस दौरान उनका कार्यस्थल गुढ़ियारी औषधालय ही रहा। इस तरह लगभग तीन दशक तक उन्होंने गुढ़ियारी औषधालय में ही सेवाएं दीं। उन्होंने गुढ़ियारी औषधालय को डायबेटिक कैंपस के रूप में विकसित किया तथा इस विषय पर अनेक सेमीनार व कांफ्रेंस आयोजित किये। उन्होंने फार्मेसी रिकार्ड एवं मेडिसिन स्टोर रिकार्ड का एक साल के भीतर सफलतापूर्वक कम्प्यूटराइजेशन करवाया। इससे रिकार्ड सुरक्षित, सुगम तथा प्रभारी तरीके से संधारित किया जा रहा है। गुढ़ियारी औषधालय के साथ ही वहां के पैथालॉजी लैब को उन्होंने पूर्णतः आटोमेटिक संचालित करवाया।

उन्हें चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवा के लिए गणतंत्र दिवस के मौके पर अध्यक्ष महोदय ने सम्मानित भी किया है। विश्वव्यापी कोरोना महामारी के दौरान कठिन परिस्थितियों में उन्होंने कार्य किया। इस दौरान उनकी सुपुत्री गर्भस्थ थी, उस दौरान कोविड संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आना पूरे परिवार के लिए जोखिमभरा था, फिर भी डॉ. गोले व उनकी पत्नी डॉ. अल्का गोले ने तटस्थता एवं निष्ठा के साथ मरीजों की सेवा की। कोविड के दौरान उन्होंने हर समय आनलॉइन उपचार के साथ ही विद्युतकर्मियों के लिए अस्पतालों में बेड की व्यवस्था कराई। वे विद्युत अधिकारी-कर्मचारी व परिजनों के स्वास्थ्य संबंधी कार्यों को पूर्ण करते हुए 31 मई को सेवानिवृत्त हुए।

कु. फल्गुनी साहू- छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ के कार्यालय कार्यपालन यंत्री एसटीएम संभाग बिलासपुर में पदस्थ श्री अमर साहू लाइन सहा श्रेणी-दो की सुपुत्री कु. फल्गुनी साहू द्वारा 12 वीं कक्षा में 91 प्रतिशत अंक अर्जित कर स्कूल, एल सी आई टी पब्लिक स्कूल बिलासपुर एवं परिवार को गौरवान्वित किया। इन्हें मुख्य सचिव (छत्तीसगढ़ शासन) श्री सोनमणि बोरा द्वारा सम्मानित किया गया है।

आशना दिल्लीवार- छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी में कार्यपालन अभियंता के पद पर कार्यरत श्रीमती संध्या दिल्लीवार एवं छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग में निदेशक श्री कमलेश कुमार दिल्लीवार की सुपुत्री आशना दिल्लीवार ने भारत संस्कृति यात्रा के तहत कोलम्बो (श्रीलंका) में कथक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। इसमें आशना को अंतर्राष्ट्रीय मेधंकर सम्मान से सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम हिन्दुस्तान आर्ट एवं म्यूजिक सोसायटी एवं संस्कृति मंत्रालय भारत सरकार द्वारा रामकृष्ण मिशन कोलम्बो के सहयोग से आयोजित किया गया। इसके पूर्व भी आशना विभिन्न शासकीय एवं प्रख्यात अंतर्राष्ट्रीय मंचो पर प्रस्तुति दे चुकी हैं।

मास्टर कौस्तुभ सोनकर- छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के गुढ़ियारी स्थित कार्यालय कार्यपालक निदेशक रायपुर ग्रामीण क्षेत्र में कार्यरत कार्यालय सहायक श्रेणी एक, श्रीमती चेतना सोनकर के सुपुत्र मास्टर कौस्तुभ सोनकर, जो कि कृष्णा पब्लिक स्कूल, तुलसी, रायपुर में अध्ययनरत हैं, उन्होंने कक्षा 10 वीं की वार्षिक परीक्षा सी.बी.एस.ई में 96.80 प्रतिशत के साथ अपने स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

अदिति श्रुति - छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक श्री संदीप कुमार वर्मा की सुपुत्री सुश्री अदिति श्रुति ने कंट्रक्शन मैनेजमेंट में मॉस्टर्स की उपाधि ग्रेड 3.8/4 के साथ यूनिवर्सिटी ऑफ ह्यूस्टन, टेक्सास, यू.एस.ए. से प्राप्त की है। मास्टर्स की उपाधि हासिल करने के पश्चात वर्तमान में सुश्री अदिति श्रुति यू.एस.ए के एक प्रख्यात कंट्रक्शन कंपनी में कार्यरत है।

महिला मंडल की हलचल

कोरबा पश्चिम

कोरबा। संकल्प महिला मंडल, हसदेव ताप विद्युत गृह, कोरबा पश्चिम द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च को मनाया गया। इस अवसर पर क्लब की अध्यक्ष श्रीमती निहारिका शर्मा, महिला मण्डल की सहसचिव श्रीमती स्मिता करकरे उपस्थित थीं। कार्यक्रम में मां सर्वमंगला वनवासी कल्याण छात्रावास एवं विभिन्न समाज सेवी प्रकल्पों में उनके अहम योगदान के लिए प्रथम शुभांजलि अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया।

अंबिकापुर क्षेत्र

अम्बिकापुर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 08 मार्च को विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में महिला थाना प्रभारी श्रीमती दुर्गेश्वरी चौबे उपस्थित थीं।

इस कार्यक्रम में विद्युत विभाग से सेवानिवृत्त हुई श्रीमती आशालता श्रीवास्तव, श्रीमती माया गुहा एवं श्रीमती ज्योति फिरमा कुजूर विशेष रुप से आमंत्रित रहीं। कार्यक्रम में कार्यपालन अभियंता द्वय श्रीमती मेरी लिली तिर्की, श्रीमती अनीता मिंज, अभियंता श्रीमती रश्मि तिर्की एवं श्रीमती प्रणिता पैंकरा (कनिष्ठ यंत्री) सहित सुश्री विनीता तिर्की, सुश्री ज्योति सिंह, सुश्री अर्चना लकड़ा, श्रीमती पूनम पैंकरा, सुश्री नीतू बाथम, सुश्री प्रतीक्षा तिवारी, श्रीमती सुषमा भगत, सुश्री प्रियंका मिंज, श्रीमती गायत्री साहू, श्रीमती ममता पैंकरा, श्रीमती हिरौंदिया, श्रीमती अनिमा टोप्पो, सुश्री वंदना तिग्गा, श्रीमती सरिता कुजूर, सुश्री विनीता सिंह, सुश्री मधुलता किण्डो, श्रीमती दीपा गुप्ता, श्रीमती बबीता भगत, श्रीमती सरस्वती सिदार, श्रीमती कुमुदनी कुजूर आदि कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन कार्यपालन अभियंता श्रीमती मेरी लिली तिर्की ने किया।

कोरबा पूर्व

प्रेरणा महिला मण्डल द्वारा कोरबा पूर्व द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमती सविता सचदेव

एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती अंजना कुजुर, श्रीमती राजेश्वरी रावत, श्रीमती अल्का कंसल, श्रीमती मालती जोशी एवं विशेष आमंत्रित अतिथि श्रीमती आकृति महिला मण्डल की अध्यक्ष श्रीमती निवेदिता बंजारा उपस्थित थीं।

श्रीमती सचदेव ने साथ ही क्लब के रख-रखाव रखने वाले जीवन को उनके बच्चे की पढ़ाई हेतु 1000 रूपये प्रतिमाह देने की घोषणा भी की। इस अवसर पर मिथिला सिदार, अनु सरना, रेनु ब्रम्हभट्ट, नमिता तोमर, वंदना बरेठ, रेनु लहरी, हेमलता गुरूपंच, सुनीता शर्मा अनिता टण्डन, स्मिता शर्मा, अनामिका गुप्ता, सीमा राजपूत, पदमा जांगड़े, रंजिता कश्यप का सहयोग सराहनीय रहा।

कोरबा पूर्व

डीएसपीएम संयंत्र कोरबा पूर्व में कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी महिलाओ द्वारा बनाई गई (वर्किंग वूमॅन यूनिटी) संगठन द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक (उत्पादन) डॉ. हेमंत सचदेव, कोरबा पूर्व प्रेरणा महिला मण्डल की अध्यक्ष सविता सचदेव, आकृति महिला मण्डल मड़वा की अध्यक्ष निवेदिता बंजारा एवं विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त मुख्य अभियंता संजीव कंसल, एलएन सूर्यवंशी, अतिरिक्त मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. एस.सी. खरे एवं प्रेरणा महिला मण्डल की उपाध्यक्षा अल्का कंसल, प्रियंका सूर्यवंशी विशेष रूप से उपस्थित थीं।

वर्किंग वूमेंन यूनिटी की संरक्षक अंजना कुजुर, राजेश्वरी रावत, अध्यक्षा मालती जोशी, उपाध्यक्षा उर्मिला बनाफर, श्रद्धा पिल्लई, सहसचिव मंजु चौहान, नीलम शर्मा, कोषाध्यक्ष शकुंतला सिंह, क्रीड़ा सचिव रंजना फुटाने, संध्या रानी, सांस्कृतिक सचिव आशा साहू, हेमलता गुरूपंच, कार्यकारिणी सदस्य सत्यवती अग्रवानी, वंदना बरेठ, हेमलता नारंग, रेनुका तिर्की, स्मृति राठौर, सारिका चंद्राकर, धनेश्वरी साहू, अंजलि सोनी, चंचल कावड़े, देवकी पटेल, सविता पांडे इस अवसर पर उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन सुमन सोमानी एवं आभार प्रदर्शन नीलम शर्मा द्वारा किया गया।

जगाई गई सुरक्षा की अलख

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह

▪ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह कोरबा पूर्व में 53वें राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह का आयोजन 4 मार्च को संयंत्र परिसर में किया गया। प्रबंध निदेशक श्री एस.के. कटियार मुख्य अतिथि थे। कार्यपालक निदेशक डॉ. श्री हेमंत सचदेव,अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्रीमती अंजना कुजुर, श्रीमती राजेश्वरी रावत तथा श्री संजीव कंसल, श्री एल.एन. सूर्यवंशी एवं वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्रीमती मालती जोशी भी उपस्थित रहीं। आभार प्रदर्शन अधीक्षण अभियंता (संरक्षा) श्री आर.पी. टंण्डन तथा संचालन संरक्षा अधिकारी श्री सुमन सोमानी ने किया।

▪ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह कोरबा पूर्व में अग्निशमन सप्ताह का आयोजन 15 से 22 अप्रैल तक किया गया। इसमें कार्यपालक निदेशक (उत्पादन) डॉ. हेमंत सचदेव, राजेश्वरी रावत, अंजना कुजुर तथा संजीव कंसल, एल.एन. सूर्यवंशी एवं मालती जोशी विशेष रूप से उपस्थित थीं। डॉ. सचदेव द्वारा अग्निशमन सुरक्षा मार्ग दिग्दर्शिका का विमोचन किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता अमित फुटाने, स्मृति राठौर, अयेन्द्र सिंह तोमर, चित्रेश हनोतिया, घनश्याम साहू, प्रमोद कुमार राठौर, रंजिता बंजारे, पदमावती गेंदले, सावित्री जटवार, राजेन्द्र साहू, विजय राठौर, महिपाल कैवर्त, अयेन्द्र सिंह तोमर, आलोक शर्मा रहे। घनश्याम साहू, घनश्याम सिंह क्षत्रिय, बबुली चौधरी रही। निकिता सोनवानी, पूजा साहू, अनिशा पॉल, विजय राठौर, रवि कुमार साहू, विनय कुमार नेताम को पुरस्कृत किया गया। आभार प्रदर्शन आर.पी. टंण्डन, जी.पी. भगत तथा संचालन प्रकाश देवांगन एवं सुमन सोमानी ने किया।

हसदेव ताप विद्युत गृह, कोरबा पश्चिम

▪ राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह 4-11मार्च तक हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम में किया गया। संरक्षा सप्ताह में विभिन्न गतिविधियों जैसे स्ट्रेस मैनेजमेंट, एर्गोनॉमिक्स एवं अग्निशामक उपकरणों के प्रचालन संबंधी प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम, महिला सुरक्षा पर आधारित प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अभियंता संजय शर्मा, अतिरिक्त मुख्य अभियंता पी.के स्वेन, एम.के. गुप्ता, सुधीर कुमार पांड्या, पी. भास्कर राव, एम.एस. खान, वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ ए.के. कुरनाल उपस्थित थे।

▪ अग्नि दुर्घटना से बचाव का किया गया पूर्वाभ्यास- राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह के अवसर पर हसदेव ताप विद्युत गृह कोरबा पश्चिम के अग्निशमन संरक्षा विभाग द्वारा 14 से 20 अप्रैल को अग्निशामक यंत्रों की आकर्षक प्रदर्शनी का आयोजन किया। अग्नि दुर्घटना की स्थिति में त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों का प्रदर्शन करते हुए आग से क्षतिग्रस्त कैजुअल्टी को रेस्क्यू कर एंबुलेंस के माध्यम से सुरक्षित चिकित्सालय पहुंचाने का भी अभ्यास किया गया।
सहायक अग्निशमन अधिकारी श्री जी.पी पनरिया एवं उप अग्निशमन अधिकारी श्री जी.पी कैथवास के नेतृत्व में अग्निशमन यंत्रों के सुरक्षित प्रयोग की विधि, प्रभावी रोकथाम के संबंध में प्रशिक्षित किया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक (उत्पादन) श्री संजय शर्मा, सहायक अभियंता श्री दीपक देशमुख उपस्थित थे।

अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह

▪ अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत संयंत्र (एबीवीटीपीएस) मड़वा में 15 से 22 अप्रैल 2024 तक राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा सप्ताह मनाया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री एस के बंजारा उपस्थित थे। इस अवसर पर दुर्घटना रोकथाम हेतु कर्मचारियों व श्रमिको को प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागी विजेताओं को कार्यपालक निदेशक एवं अतिथियों के हाथों पुरस्कृत किया गया। इनमें श्री ओमप्रकाश मिश्रा, श्री अमित सिंह राठौर, श्री सतीश यादव शामिल हैं। कार्यक्रम को अतिरिक्त मुख्य अभियंता आरके साव एवं एन.लकरा ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन संरक्षा अधिकारी श्री नरेंद्र कुमार देवांगन ने किया। संरक्षा अधिकारी श्री विजय कुमार बर्मन द्वारा अग्निशमन से संबंधित प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम कराया गया।

▪ अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह मड़वा में 04 से 10 मार्च तक राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह मनाया गया।राष्ट्रीय संरक्षा सप्ताह के समारोह में मुख्य अतिथि कार्यपालक निदेशक श्री एसके बंजारा उपिस्थत रहें। इनमें मॉकड्रिल, सुरक्षा जागरूकता व्याख्यान, सुरक्षा उपकरणों का प्रदर्शन, नारा एवं निबंध प्रतियोगिता शामिल हैं। विजयी प्रतिभागियों को कार्यपालक निदेशक एवं अतिथियों के हाथों पुरस्कृत किया गया। इनमें संजय बरेठ, चंद्रकांत वर्मा, संतोष सोनी, हेमंत खरे एवं इंदु खलखो शामिल हैं।

तनाव प्रबंधन पर कार्यशालाओं का सिलसिला

/ एक /

विपश्यना

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ के विद्युत सेवा भवन में 30 मई 2024 को उच्च रक्तचाप नियंत्रण सेमीनार में विभिन्न रोगों के प्राकृतिक उपचार एवं रोकथाम के लिए विपश्यना एवं आहार-विहार पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता श्री सीताराम साहू को कार्यपालक निदेशक श्रीमती ज्योति नन्नौरे, अतिरिक्त मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) श्री विनोद अग्रवाल, महाप्रबंधक (वित्त) श्री वाई. बी.जैन द्वारा पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। मानव संसाधन विभाग पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विद्युत कंपनी के अधिकारी-कर्मचारीगणों को विपश्यना पद्धति एवं स्वास्थ प्रबंधन पर जानकारी प्रदान की गई।

श्री साहू द्वारा स्वास्थ प्रबंधन के विविध माध्यमों पर पॉवर पांइट प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुति दी गई। उन्होंने बताया कि विश्व में मृत्यु दर और विकलांगता का प्रमुख कारक बढ़ता हुआ रक्तचाप है। वैश्विक स्वास्थ आंकड़ों के अनुसार 10.8 मिलियन लोगों की मृत्यु का कारण हायपर टेंशन व विकृत जीवनशैली है। उच्च रक्तचाप एवं डायबिटिज वर्तमान जीवन में सबसे जटिल बीमारी है, इसके रोकथाम के लिए हितभुक, मितभुक एवं रितभुक के नियमों का पालन करने की सलाह दी। इस सेमीनार में स्वास्थ प्रबंधन हेतु आध्यात्मिक व मानसिक विकास, विपश्यना एवं शारीरिक स्वास्थ के लिए पौष्टिक आहार, सीमित खानपान व सरल जीवनशैली का अनुसरण करने का आग्रह किया गया। श्री साहू ने बताया कि विभिन्न पद्धतियों के जरिये व्यक्ति को अवसाद और तनाव से मुक्त किया जा सकता है। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त महाप्रबंधक(जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र द्वारा किया गया।

/ दो /

'सिक्स डायमेंशन टू सक्सेस एंड 8 एटीट्यूड ऑफ इलेक्टिव लिविंग'

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़ के सेवाभवन

में 07 जून 2024 को विद्युत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक शक्तियों के संतुलन से संपूर्ण स्वास्थ्य के विकास हेतु 'सिक्स डायमेंशन टू सक्सेस एंड 8 एटीट्यूड ऑफ इलेक्टिव लिविंग' पर प्रजापिता ब्रम्हाकुमारी ईश्वरीय, हैदराबाद से आई मोटिवेशनल स्पीकर ब्रम्हाकुमारी राधिका दीदी द्वारा व्याख्यान दिया गया।

इस शिविर में मानव जीवन को सरल व चिंतामुक्त बनाने के 36 मानव मूल्यों पर चर्चा की गई। प्रतिभागियों को विशेष परिस्थिति में इन 36 मूल्यों को अपनाने की सलाह दी गई, जिससे मनुष्य को बिना किसी तनाव के जीवनयापन करने में सहायता मिलेगी। उनके द्वारा उनके विभिन्न व्यक्तियों के जीवन संघर्ष की कहानियों का उदाहरण देते हुए बताया कि मानव जीवन जटिल है। जीवन को सरल बनाने, मन की सुख-शांति के लिए सत्संग, भजन व साधना अनिवार्य है। ध्यान योग से बढ़कर कोई योग नहीं है। साधना से ईश्वरीय प्रकाश को अपने मन के भीतर अपनाने से विभिन्न नकारात्मक भावनाओं को धीरे-धीरे दूर किया जा सकता है, जिससे कुछ समय बाद हम जीवन जीने की कला सीख जाते हैं।

इस कार्यक्रम को अतिरिक्त मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) श्री विनोद अग्रवाल के मार्गदर्शन में पूर्ण किया गया। कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र द्वारा किया गया।

/ तीन /

उच्च रक्तचाप का प्रबंधन

विश्व उच्च रक्त चाप दिवस के अवसर पर 17 मई, 2024 को छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रिब्यूशन तथा ट्रांसमिशन कंपनी के केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान, गुढ़ियारी रायपुर में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता श्री सीताराम साहू-मुख्य अभियंता, मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आई.ए.एस. अधिकारी श्री सत्यजीत ठाकुर, विशिष्ट अतिथि अतिरिक्त महाप्रबंधक श्री उमेश कुमार मिश्र थे।

प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये प्रशिक्षणार्थी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुये मुख्य अतिथि श्री ठाकुर ने कहा कि तनाव प्रबंधन में ध्यान साधना की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका हैं। विपश्यना ध्यान साधना को लेकर सत्यनारायण गोयनका के अनुभवों और योगदान को जन-जन तक पहुंचा कर हम साधकों की संख्या को बढ़ा सकते हैं। यह साधना किसी बीमारी के उपचार के लिए नहीं है बल्कि ऐसी जीवन शैली के लिए है जिससे बीमारियां न हो। श्री उमेश कुमार मिश्रा ने कहा कि जब किसी विशेष परिस्थिति को पैदा होने से रोकना नामुमकिन हो तो उसके साथ जीने के लिए विशेष प्रकार के प्रबंधन की आवश्यकता पड़ती हैं।

मुख्य अभियंता श्री सीताराम साहू ने बताया कि विपश्यना ध्यान साधना से मानसिक तनाव को रोका जा सकता है। इस तरह तनावरहित जीवन में बीमारियों को रोकना भी संभव होता हैं। उन्होंने पॉवर प्वाइंट प्रजेन्टेशन के माध्यम से विपश्यना ध्यान साधना के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला।

POWER SECTOR ROUND UP 1

- Vinay Pandey
S.E. CSPGCL
Raipur

- Tariff hike - As the polling in Uttarakhand ends, UERC issued tariff order on 26 April, average tariff goes up by 6.92%.
- Power Demand - Fitch Ratings expect India's power demand to rise by 7-8 per cent year-on-year in 2nd quarter of 24-25. Overall growth may cross 10%.
- Solar rooftop Guideline - Draft guidelines under the PM Surya Ghar Muft Bijali Yojna will also be finalised in 100 days. The scheme with outlay of 75021 cr has already seen registration by more than 10 million households. At current benchmark prices, the subsidy for 1 KW /2Kw /3 ke system is 30000/ 60000/- and 78000/- only.
- Additional support for floating Solar - Under the ongoing scheme for solar parks, MNRE provides Central Financial Assistance (CFA) up to 20 lakh per megawatt (MW) or 30% of the project cost. Under new scheme, CFA to floating solar parks may be over and above such incentive.
- Britain's RheEnergise is trying to replace the water with a 2.5 times more dense, heavy, paste-like fluid by mixing water with proprietary mineral powder called R19.
- Coal Ministry mulls 6 mega power plants each with a capacity of 5,000 megawatts near its coalfield. Total investment planned is more than 2.5 lakh Crore. Out of 6, two are planned in Chhattisgarh, one at Korba and other at Mand-Raigarh coalfield. Odisha and Jharkhand will also have two plants each. They will be established through joint ventures (JVs) with the government, private power companies, and state-owned electricity generators.
- On 29th April NHPC Limited, has signed MOU with Norwegian company Ocean Sun to explore photovoltaic panels mounted on hydro elastic membranes. They will be used for floating solar plants.
- Tata Power Renewable Energy Ltd, signed its dispatchable renewable energy (FDRE) project PPA with SJVN for a 460 MW. TPREL will develop a hybrid plant comprising solar, wind, and battery storage components. The FDRE enables Discoms in fulfilling their RPO and energy storage obligations (ESO).
- India's total installed capacity reached 442 GW. For the first time coal is less than 50%. RE is 144 GW (33%) and hydro is 47 GW (11%).
  In the RE capacity addition, Solar (including roof top) is highest 81% (15 GW). Wind is 3.3 GW & nuclear 1.4 GW.
- Coal availability at power plants is 68% of norm.
- As per ICRA report India's renewable energy generation, including large hydro projects, is expected to reach 40% by 2030, up from current 25%.
- The tariff under BESS tenders havevmore than halved first SECI tender in August 22 to latest Gujrat tender in March 24. The reduction in battery costs from 2021 to 2023 lead to BESS cost dropped to Rs 6-7 Rs/ unit but they remain higher than PSP hydro which stands at about rs 5 per unit.
- The world's first 100 MWh GESS (Gravity Energy Storage System) project "Rudong EVx" has been commissioned in China. Based on Swiss company Energy Vault's solution, it employs massive concrete blocks to store and release electricity. This mammoth building-sized storage capacity has 35 year operational life with 4 hr cycle and impressive 80% plus efficiency.
- In a bid to induce competition, CEA has relaxed the PQR for EPC bids for Super critical thermal stations. Now

experience in sub-critical technology will also be allowed for super critical plants. Generators may also be asked to opt for split / package based tenders. Resultantly Companies like GE, Thermax may get entry.

- India has surpassed Japan to become the world's third-largest solar power generator. Solar is the world's fastest growing electricity source adding more than twice capacity in 2023 than coal. In terms of capacity additional in 2023, India stood fourth (18 TWh) behind Brazil (22 TWh), USA (33 TWh) & China (156TWh).
- A study by the Council on Energy, Environment and Water says India's solar waste is expected to jump to 600,000 tonnes by 2030 from the current 100,000 tonnes due to rapid deployment of new solar capacities. Solar capacity of around 292 GW is likely to be deployed by 2030, making solar PV waste management crucial. Most of this waste is likely to come from Rajasthan, Gujarat, Karnataka, Andhra Pradesh & TamilNadu.
- Expert group 'Devdiscourse' report states that India's solar drive may get hampered by fears of DISCOMs losing income, a shortage of skilled workers to make, install and service solar panels, and the proliferation of substandard products. The report states "Imagine millions of homes being hooked up to the grid and injecting their excess electricity in a system that is already facing so many technical losses,"
- Ministries of Renewable energy & Skill development are jointly working on a plan to train a workforce of 1,00,000 to install and manage solar panels under PM Surya Ghar Muft Bijali Yojana.They also plan to train 50,000 vendors.
- According to government sources, with projections indicating a shortfall of 14 GW during nighttime hours, India is gearing up to tackle its most significant power deficit in 14 years this June. The impending deficit is propelled by a decline in hydropower generation and exacerbated by delays in commissioning 3.6 GW of new coal-fired plants, originally slated for operation before March.
- According to think tank Ember,Coal-fired electricity output hit 338 terawatt hours during the first quarter of 2024, which marked a 9.6% rise from the same quarter in 2023. Total power sector emissions also climbed by the same degree to a record 316 million metric tons of CO2 & equivalent gases.
- GUVNL (Gujrat Urja) has filed a petition before GSERC seeking approval for tariff rates discovered through competitive bidding process for procurement of storage capacity from a standalone Battery Energy Storage System (BESS) project.Gensol Engineering Limited and IndiGrid have bid tariff rates of about 4.49 lakh per MW per month (about Rs 4 per kWh for storage) for 70 MW/140 MWh capacity and 180 MW/360 MWh capacity.
- MoP on 14th May has clarified that for projects set up under Section 63 of the Electricity Act 2003, wherein 'fuel cost pass through' is provided in PPA, the cost of biomass pellets shall also be pass through in the Energy Charge Rate.
- Under the new guidelines, CPSUs / their JVs have now started direct submission of Solar/RE Park DPR to SECI & MNRE instead of asking for approval of DPR by the state govt committee. However private and State PSU developer have to obtain approval of the state energy department as per Nov.21 guidelines.
- A study, published in the journal "Nature Communications" on May 7, 2024, analysed financial impact of plans for coal phase-out. If China and India were to allow compensation measures akin to those already established in Europe, the projected compensation sum for both nations would be $2.4 trillion to achieve the 2 degrees Celsius target and $3.2 trillion for the 1.5C target. The projected compensation figures for China & India rival the entire international climate finance pledged in Paris, surpassing current levels of international development aid to these countries.
- On May 11, China has put the first large-scale sodium-ion battery storage station into operation. A 10-MWh sodium-ion battery storage station at Nanning, Guangxi in southwestern China, is the first phase of an overall 100-MWh projet by China Southern Power Grid Energy Storage. The Sodium ion batteries are faster and carry low hazard risk. Importantly, due to easy and large scale availability of Sodium with large scale production it is expected to be 20-30% cheaper in comparison to Lithium, making it a better choice for large-scale use.
- In a significant move by Radiance, Indian RE firm planning expansion of RE capacity from 500 MW to 2GW in three years has introduced robotic cleaning for its solar panels. Company claims that it's robotics cleaners are dry and powered by solar energy, thus it is sustainable, saves water and allows more frequent cleaning.
- NHPC has inked a loan of about 1100 Cr with JBIC, Japan for developing a 300 MW solar park at Bikaner. First of its kind cheap loan facility has been availed under GREEN Operations.
- THDC plans to shutdown its hydro stations between June 1 to 1July 15, so as to commission it's first two Pump Storage units of 250 MW. After commissioning of all 4 PSP units of 250 MW, Tehri will supply upto 2400 MW in peak hrs.
- Adani Energy Solutions Ltd (AESL), India's largest private transmission and distribution company completes acquisition of Essar Transco by 100% stake take over for an enterprise value of 1900 Cr. The Essar Transco assets include fully operational 400 kV, 673 circuit km inter-state transmission line, which connects Mahan in MP with Seepat looking station in Chhattisgarh. It strengthens AESL footprint in Central India where it operates four assets totalling 3373 ckt km.
- Following the footprint of parent company Siemens AG, Siemens India has decided to de-merge it's Energy business and list it separately. The move comes as market drivers and capital requirement in energy & industrial markets differ vastly.

तकनीकी विषयों पर आलेख की मांग आने से इस नये स्तंभ की शुरुआत फिलहाल अंग्रेजी में की जा रही है। प्रतिक्रियाओं के आधार पर हिंदी /अंग्रेजी का निर्णय लिया जायेगा। ▪ **संपादक**

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION CO. LTD.

(A Govt. of Chhattisgarh Undrtaking)

CIN - U40108CT2003SGC015820

Website- www.cspc.co.in, E-Mail- md.transco@cspc.co.in

Phone- 0771-2574300, Fax- 0771-2262141

कार्यालयः कार्यपालक निदेशक मा. स. छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़

ट्रांसमिशन कंपनी का आदेश क्रमांक 01-01/पीडी -दो /1640 दिनांक 15 मार्च 2024 — आपका पत्र क्रमांक 198 दिनांक 30 अप्रैल 2024

विषय – मृत्यु सह सेवानिवृत्ति उपदान (DCRG) राशि की अधिकतम सीमा को पुनरीक्षित किये जाने बाबत्।

संदर्भ – होल्डिंग कंपनी का आदेश क्रमांक 01-01 /WAC 3069 दिनांक 18 अक्टूबर 2017

उपरोक्त विषयांतर्गत संदर्भित आदेश दिनांक 18.10.2017 के प्रावधान स्पष्ट है, जिसके अनुसार जब भी मंहगाई भत्ते की दर 50 प्रतिशत पहुंचती है तो मृत्यु सह सेवानिवृत्ति उपदान की अधिकतम सीमा रू 20 लाख से बढ़ जायेगी। चूंकि पॉवर कंपनी के अधिकारियों/कर्मचारियों को देय महंगाई भत्ते की दर 01 जनवरी 2024 से 50 प्रतिशत हो गई है। अतः मृत्यु सह सेवानिवृत्ति उपदान की अधिकतम सीमा रू 20 लाख से बढ़कर रू 25 लाख हो जायेगी, जिसके लिये अलग से कोई आदेश प्रसारित किया जाना आवश्यक नहीं है।

कार्यपालक निदेशक (मा.सं.)
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड

प्रोटोकाल
कार्यालयः कार्यपालक निदेशक मा. स. छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनीज़

विषय- छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना के तहत डे-केयर के रूप में दंत चिकित्सा हेतु प्रोटोकाल।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी अंशदायी कैशलेस स्वास्थ्य योजना के तहत नियमित विद्युत कर्मियों/पेंशनरों को दंत चिकित्सा के कुछ निम्न उपचार डे-केयर के तहत प्रदान किये जाने का निर्णय लिया गया है।

1. कॉस्मेटिक प्रकृति के उपचारों को छोड़कर, दंत चिकित्सा के निम्न आवश्यक उपचार डे-केयर के तहत कैशलेस योजना में शामिल हैं।

(अ) दंत चिकित्सा के कुछ उपचार हेतु विशेष दरें निम्नानुसार निर्धारित की जाती हैं-

क्र.	उपचार का विवरण	विशेष पैकेज रेट (रूपये में)
1	दांतों की सफाई (स्केलिंग)	1,000
2	दांत निकालना (साधारण)	750 प्रति दांत
3	दांत निकालना (काम्पलीकेटेड)	1,250 प्रति दांत
4	रूट केनाल ट्रीटमेंट (RCT)	2,500 प्रति दांत
5	केपिंग (जिरकोनिया)	500 प्रति दांत
6	केपिंग (मेटल सेरामिक)	3,500 प्रति दांत
7	पूरे दांत का एक्सरे(ऑर्थो पेंटोमोग्राम-OPG)	750
8	एक दांत का एक्सरे	

(ब) डे-केयर के तहत संपूर्ण ईलाज के दौरान सी.जी.एच.एस. दर पर एक बार परामर्श शुल्क (वर्तमान में रू. 350) दिये जाने का प्रावधान योजना में शामिल है।

2. योजना में शामिल प्रत्येक हितग्राही को, डे-केयर के तहत, आवश्यकतानुसार (उपरोक्त में से कोई या सभी) उपचार की सुविधा योजना के वार्षिक कालखण्ड में केवल एक बार (दुर्घटना के प्रकरणों को छोड़कर) कैशलेस/प्रतिपूर्ति के रूप में मिलेगी।

3. ऐसे उपचार, जिसकी स्वीकृति आई.एस.ए. (वर्तमान में मेसर्स विडाल) से प्राप्त नहीं हुई है, परंतु मरीज की सहमति से उपचार किये जाते हैं तो संबंधित अस्पताल/क्लीनिक उसकी बिलिंग लागू सी.जी.एच.एस. (CGHS) की दर पर करेंगे तथा ऐसे खर्चों का भुगतान हितग्राही को स्वयं वहन करना होगा, जो इस योजना के तहत प्रतिपूर्ति योग्य नहीं होगा।

4. सभी हितग्राही ईलाज के दौरान संबंधित चिकित्सक के प्रिस्क्रिप्रशन के आधार पर आवश्यक दवाईयां, पॉवर कंपनी के औषधालय से प्राप्त कर सकते हैं इसके लिये अलग से अनुमति /रेफरल की जरूरत नहीं होगी। अन्यथा की स्थिति में दवाईयों के खर्च हितग्राही को स्वयं वहन करना होगा, जो इस योजना के तहत प्रतिपूर्ति योग्य नहीं होगा।

इस योजना के प्रावधानों के दुरूपयोग की सूचना प्राप्त होने पर संबंधित अस्पताल/क्लीनिक को तत्काल प्रभाव से पहले अस्थाई रूप से 15 दिनों के लिये पॉवर कंपनी के सूचीबद्ध अस्पतालों की सूची से हटाया जायेगा। तत्पश्चात् आवश्यक सुधार नहीं होने की स्थिति में 01 माह की पूर्व सूचना के उपरांत स्थाई रूप से सूची से हटाते हुए उचित कार्यवाही की जायेगी।

अस्पताल द्वारा अनुबंध/सहमति के अनुरुप निर्धारित दरों से अधिक/त्रुटिपूर्ण बिलिंग के मामले में प्रकरण आई.एस.ए. (ISA) और संबंधित अस्पताल/जांच केन्द्र द्वारा आपसी विचार-विमर्श से निराकृत किये जायेंगे। अन्यथा की स्थिति में आवश्यकता होने पर पॉवर कंपनी से भी विचार विमर्श कर निराकरण किया जा सकता है। हितग्राहियों से योजना के अनुसार ईलाज कराये जाने पर अस्पताल/क्लीनिक द्वारा अतिरिक्त राशि की मांग नहीं की जायेगी।

कार्यपालक निदेशक (मा.सं.)
छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड

विस्तृत जानकारी के लिये कंपनी की वेबसाइट - www.cspc.co.in देखें

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी से प्रबंध निदेशक (डिस्ट्रीब्यूशन) श्री मनोज खरे को मुख्यालय विद्युत सेवाभवन में भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में पॉवर जनरेशन कंपनी के एमडी श्री एस.के.कटियार, ट्रांसमिशन कंपनी के एमडी श्री राजेश शुक्ला ने उन्हें प्रमाण पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया।
इस अवसर पर सेवानिवृत्त प्रबंध निदेशक श्री मनोज खरे ने अपने कार्य अनुभव बताते हुए अपनी सफलता का श्रेय टीमवर्क को दिया तथा सेवायात्रा के दौरान अधिकारी-कर्मचारियों से मिले सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्र ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर संक्षेप में प्रकाश डाला।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी से मुख्य अभियंता सतर्कता (एल टी)श्री आई. एन. केथवास को 37 वर्षों 3 माह की सेवा उपरान्त कंपनी दायित्वों से सेवानिवृत्त कर भावभीनी विदाई दी गई। मुख्यालय विद्युत सेवाभवन में मानव संसाधन (सीएसपीटीसीएल) द्वारा आयोजित विदाई कार्यक्रम में एमडी जनरेशन श्री एस.के. कटियार, एमडी ट्रांसमिशन वितरण श्री राजेश शुक्ला ने उन्हें कंपनी द्वारा प्रदत्त प्रमाण पत्र, शॉल, श्रीफल एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक सर्वश्री भीम सिंह कंवर एवं आर.ए. पाठक ने पुष्पगुच्छ से उनका स्वागत किया।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के अधीक्षण अभियंता लाइन वृत्त, रायपुर कार्यालय से निज सचिव श्री इकरामुल अजीम को सेवानिवृत्त उपरान्त भावभीनी विदाई दी गई। श्री अजीम ने पॉवर कंपनी में लगभग 39 वर्ष की सेवाएं प्रदान की है। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक ट्रांसमिशन एवं डिस्ट्रीब्यूशन श्री आर.के शुक्ला द्वारा उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के मानव संसाधन विभाग में पदस्थ अनुभाग अधिकारी श्री एम रामाकृष्णा को भी भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) श्री अशोक कुमार वर्मा, अतिरिक्त मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) श्री विनोद अग्रवाल, अतिरिक्त महाप्रबंधक (जनसंपर्क) श्री उमेश कुमार मिश्रा, उपमहाप्रबंधक श्रीमती अल्पना शरत तिवारी एवं पंकज सिंह सहित बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सहायक प्रकाशन अधिकारी श्रीमती अनामिका मंडावी ने किया।

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर जनरेशन कंपनी के मुख्य अभियंता (मानव संसाधन) कार्यालय से निज सचिव श्री संतोष कुमार पहाड़े को सेवानिवृत्त उपरान्त कंपनी मुख्यालय विद्युत सेवाभवन में भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में पॉवर जनरेशन कंपनी के एमडी श्री एस.के. कटियार ने उन्हें प्रमाण पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया तथा उनके उज्ज्वल एवं सुखमय भविष्य की कामना की।

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के मानव संसाधन के अंतर्गत सुरक्षा विभाग में पदस्थ मुख्य सुरक्षा गार्ड श्री शेषनारायण वर्मा को सेवानिवृत्ति उपरांत 30 अप्रैल को भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री विनोद अग्रवाल द्वारा सेवानिवृत्त कर्मचारी को शॉल, श्रीफल व प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया।

पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के मुख्यालय स्थित महाप्रबंधक (मानव संसाधन) कार्यालय में पदस्थ कार्यालय सहायक श्रेणी - एक श्री के.व्ही. सुब्बाराव तथा दफ्तरी श्री होरीलाल शर्मा को भावभीनी विदाई दी गई। इस अवसर पर उप महाप्रबंधक द्वय श्री राजेश श्रीवास्तव एवं श्रीमती नम्रता राठौर ने सेवानिवृत्त अधिकारियों को शॉल श्रीफल भेंट कर उनके स्वस्थ और सुदीर्घ जीवन के लिए शुभकामनाएँ दीं।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह – डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप विद्युत गृह से मार्च में वरिष्ठ पर्यवेक्षक श्री पीताम्बर लाल चन्द्रा एवं कनिष्ठ पर्यवेक्षक श्री पी. वेंकट रमन, श्री दया राम ठाकुर अधिवार्षिकी आयु पूर्ण कर सेवानिवृत्ति हुये। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक, श्री हेमंत सचदेव अतिरिक्त मुख्य अभियंताओं एवं वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ द्वारा सेवानिवृत्ति कर्मियों को पुष्पगुच्छ, प्रशस्ति पत्र एवं कलाई घड़ी से सम्मानित कर विदाई दी गई। कार्यक्रम का संचालन कार्यपालन अभियंता पन्नालाल साहू, अभार प्रदर्शन अधीक्षण अभियंता (संरक्षा) देवी शंकर राय ने किया।

हसदेव ताप विद्युत गृह – संयंत्र से अधीक्षण अभियंता श्री अनील कुमार भावसार, कार्यपालन अभियंता श्री चंद्रशेखर बघेल, कनिष्ठ अभियंता श्री लखन लाल पटेल, वरिष्ठ पर्यवेक्षक श्री साहेब लाल कर्ष, श्री गौरी नाथ चतुरेश, श्री चैतराम उईके एवं श्री गोपाल कृष्ण कंवर, कनिष्ठ पर्यवेक्षक राम गोपाल गुप्ता एवं श्री नारायण सिंह कमल, फायरमैन श्री नरेन्द्र कुमार झारिया तथा संयंत्र परिचालक श्रेणी दो श्री शेख करीम के सेवानिवृत्ति के अवसर पर सम्मान समारोह का आयोजन इरेक्टर हॉस्टल, कोरबा पश्चिम में किया गया। कार्यक्रम संयंत्र के कार्यपालक निदेशक (उत्पादन) श्री संजय शर्मा, अतिरिक्त मुख्य अभियंता श्री सुधीर कुमार पंड्या, श्री एम.एस खान, श्री एम.के गुप्ता तथा वरिष्ठ मुख्य रसायनज्ञ श्री ए.के कुरनाल ने उन्हें प्रतीक चिन्ह व प्रशस्ति पत्र भेंट किया।

एबीवीटीपीएस मड़वा-अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा से मार्च माह में कनिष्ठ पर्यवेक्षक श्री सुखनंदन प्रसाद राठौर, श्री संपूरन सिंह आर्मो, श्री दिलहरण प्रसाद सोनी एवं भृत्य श्रीमती श्याम बाई कर्ष व माह अप्रैल में वरिष्ठ पर्यवेक्षक श्री चंद्रशेखर थवाईत सेवानिवृत्त हुये। कार्यक्रम के अध्यक्ष कार्यपालक निदेशक श्री एसके. बंजारा के हाथों सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्मृति चिह्न व सेवा प्रमाण-पत्र भेंट किया गया।

राजनांदगांव क्षेत्र के वरिष्ठ लेखाधिकारी कार्यालय में पदस्थ अनुभाग अधिकारी श्री शांति कुमार जैन के सेवानिवृत्ति पर सम्मान समारोह का आयोजन कर भावपूर्ण विदाई दी।

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के कार्यालय मुख्य अभियंता (लाइन) में पदस्थ अधीक्षण अभियंता श्री आरके शुक्ला को 29 मार्च को भावभीनी विदाई दी गई। मुख्य अभियंता श्री अविनाश सोनेकर ने श्री शुक्ला को प्रतीक चिन्ह व प्रशस्ति पत्र भेंट किया।

- छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी में 31 मई 2024 को सेवानिवृत्ति पर प्रबंध निदेशक श्री आरके शुक्ला द्वारा आठ अधिकारी- कर्मचारियों को विदाई दी गई। राज्य भार प्रेषण केंद्र में अधीक्षण अभियंता श्री पीयूषराम साहू जगदलपुर, कार्यपालन अभियंता श्री अशोक कुमार अग्रवाल रायपुर, अनुभाग अधिकारी श्री किशोर कुमार यादव भिलाई, श्रीमती अनुराधा बक्षी रायपुर, लाइन सहायक श्रेणी 02 श्री सुशील कुमार बरवा कोरबा, लाइन अटेंडेंट श्रेणी-01 श्री प्रेमलाल व्दिवेदी खेदामारा, सिविल अटेंडेंट श्रेणी 01 श्री तुलांबर प्रसाद पटेल भिलाई एवं मुख्य सुरक्षा सैनिक श्री रामकुमार विश्वकर्मा को प्रशस्ति पत्र, प्रतीक चिन्ह व पेंशन आर्डर भेंट किया गया। कार्यपालक निदेशक सर्वश्री केएस मनोठिया, एमएस चौहान, अशोक कुमार वर्मा, आरसी अग्रवाल एवं मुख्य अभियंता सर्वश्री अविनाश सोनेकर, जी. आनंद राव, डीके तुली विशेष रूप से उपस्थित थे। संचालन सहायक प्रबंधक श्री गोविन्द पटेल एवं आभार प्रदर्शन प्रबंधक श्री राजेश सिंह ने किया।
- कार्यपालक निदेशक (राजस्व) श्रीमती सरोज तिवारी ने अतिरिक्त आपरेशन सुपरवाइजर श्री राजेश सेलट को सेवानिवृत्ति उपरांत साधे समारोह में विदाई दी।
- छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्टीब्यूशन कंपनी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विवेक कुमार गोले को 31 मई को औषधालय गुढ़ियारी में भावभीनी विदाई दी गई। कार्यक्रम में औषधालय के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. अपर्णा बाई बिस्वास ,चिकित्सा अधिकारी श्री डॉ अमित कुमार ने उन्हे सेवा प्रमाण पत्र एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

खेल सितारा

राज वासनिक
पॉवर लिफ्टिंग की अंतरराष्ट्रीय स्पर्धा में रजत पदक विजेता

हौसला अगर बुलंद हो तो शरीर फौलाद और बल दुगना हो जाता है। ऐसी ही दम रखने वाले हमारे छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पॉवर कंपनीज़ के खिलाडी "श्री राज वासनिक" का नाम अंतरराष्ट्रीय खिलाडी की श्रेणी में शुमार है।

बतौर खिलाड़ी उन्होंने इस खेल के पारंपरिक विधा को सिखा और शक्ति प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न विषम लिफ्ट्स में अभ्यासरत रहें। उनका पसंदीदा लिफ्ट स्क्वाट है। आज वे एक प्रशिक्षित खिलाड़ी है। उनका खेल का दायरा न केवल छत्तीसगढ़ रहा अपितु वर्ष 2022 में ऑल इंडिया पॉवर लिफ्टिंग चैंपियनशिप(ओपन) में कांस्य पदक जीत कर राष्ट्रीय खिलाडी का दर्जा हासिल किया वे यही नहीं रूके इसी साल उन्होंने अंतरराष्ट्रीय आयोजन"राष्ट्रीय खेल (कॉमनवेल्थ गेम्स)"न्यूजीलैंड में भी रजत पदक प्राप्त कर पॉवर कंपनीज़ का नाम रौशन किया।वर्ष 2023 में स्ट्रांग मेन का खिताब व अन्तक्षेत्रीय स्पर्धाओं में पिछले 7 वर्षो से स्वर्ण पदक जीत रहें हैं।

दुर्ग जिले के हनुमान व्यायाम शाला बैगापारा से न्यूजीलैंड तक का सफर आसान नहीं था। एक मध्य वर्गीय परिवार में जन्मे व्यक्ति के लिये सरकारी नौकरी पाना ही चुनौतीपूर्ण रहता है। इस पड़ाव को पार करते हुये वर्ष 2003 में उनकी प्रथम नियुक्ति छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल में लाइनमेन के पद पर अंबिकापुर में हुई। नौकरी में लीन होने के कारण वे पॉवर लिफ्टिंग के अभ्यास से दूर होने लगे व इस खेल से लगभग अलविदा होने की कगार पर थे परंतु नियति ने उनके लिये कुछ और सोच रखा था।

वर्ष 2011 में उनकी पदस्थापना भिलाई वैशाली नगर में हुई और यहीं उनके संज्ञान में यह बात आई कि छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल के केंद्रीय क्रीडा एवं कला परिषद द्वारा पॉवर लिफ्टिंग स्पर्धा आयोजित किया जाना है तब उन्होंने पॉवर लिफ्टिंग के लिये पुनः तैयारी शुरू की इसमें उनके गुरू व प्रशिक्षक श्री क्षेत्रपाल चन्द्राकर ने उनकी मदद की व अब तक उनके मार्गदर्शन में जीत का परचम लहरा रहें हैं।

खेल के सफर में समय-समय पर विभिन्न चुनौती आती रही। आफिस और प्रशिक्षण के बीच संतुलन बनाना उनके लिये सबसे बड़ी चुनौती रही। जिस तरह खेल उनके लिये प्राथमिकता रही उसी तरह कार्यालयीन कार्यो को भी निष्ठा के साथ पूर्ण करते है। विषम परिस्थितियों में भी उपलब्धियों को आगे बढ़ाने में अधिकारियों का बहुत सहयोग मिला।

वे मानते है कि खिलाडी केवल मैदान में नहीं उतरते वे मेहनत,परिश्रम व लगन से स्वर्णीम इतिहास रचते हैं। इस बात को आपने चरितार्थ करते हुये वर्ष 2023 में आयोजित अखिल भारतीय विद्युत मंडल पॉवर लिफ्टिंग स्पर्धा में 310 कि. का भार उठा कर राष्ट्रीय स्तर पर सुनहरे अक्षरों में अपना नाम अंकित किया। यह अब तक का अधिकतम वजन उठाने का रिकार्ड हैं। इस जीत के बाद आगे उन्होंने 404 किलो के भार का रिकार्ड तोडने के लक्ष्य के साथ अगले प्रतियोगिता में भाग लेना चाहते हैं। उनके स्वप्न को पूरा करने के लिये वे 2 से 3 घंटे का नियमित व्यायाम करते है। भारोत्तोलन प्रतिस्पर्धा के रिकार्ड उद्देश्य के लिए आप विशिष्ट खुराक के सेवन पर केंद्रित है।

श्री वासनिक का कहना है कि आजीविका के लिए कार्य करने के साथ ही अपनी हॉबी को उपलब्धियों में तब्दील करना एक सपना होता है जिसे छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत पॉवर कंपनीज़ जैसे संस्थान में ही पूरा किया जा सकता है।

अंतरक्षेत्रीय शक्तित्तोलन एवं शरीर सौष्ठव प्रतियोगिता में रायपुर और दुर्ग का दबदबा

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनी में 23 एवं 24 मार्च को आयोजित अंतर क्षेत्रीय पॉवर लिफ्टिंग एवं बॉडी बिल्डिंग प्रतियोगिता में रायपुर और दुर्ग क्षेत्रों ने टीम स्पर्धा का खिताब हासिल किया। दूसरी ओर रायपुर सेन्ट्रल के श्री विजय बहादुर बेस्ट बॉडी बिल्डर तथा दुर्ग के श्री राज वासनिक को बेस्ट पॉवर लिफ्टर के खिताब से सम्मानित किया गया। पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के कार्यपालक निदेशक (संचारण एवं संधारण) श्री भीम सिंह कंवर, क्षेत्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद रायपुर रीजन के अध्यक्ष श्री जे एस नेताम तथा कार्यपालक निदेशक एवं रायपुर सेन्ट्रल के अध्यक्ष श्री के एस मनोठिया ने सभी खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। पॉवर लिफ्टिंग एवं बॉडी बिल्डिंग में उपलब्धिपूर्ण सेवा के लिए कंपनी के वरिष्ठ खिलाड़ी श्री लखपति सिंदुर को लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

शक्तित्तोलन (पॉवर लिफ्टिंग) में सात वर्गों में विजेता घोषित किए गए। 59 किलोग्राम वर्ग में कोरबा पश्चिम के श्री आर के पाटकर, 66 किलोग्राम वर्ग में मड़वा क्षेत्र के श्री बलराम वस्त्रकार, 74 किलोग्राम वर्ग में रायपुर रीजन के श्री तीजूराम नेताम, 83 किलोग्राम वर्ग में दुर्ग के श्री राकेश नायक, 93 किलोग्राम वर्ग में कोरबा पश्चिम के श्री संजय कुमार राठौर, 105 किलोग्राम वर्ग में दुर्ग के श्री राज वासनिक तथा 120 किलोग्राम वर्ग में रायपुर रीजन के श्री महेन्द्र साहू विजेता रहे।

शरीर सौष्ठव (बॉडी बिल्डिंग) प्रतियोगिता में चार वर्गों में 5.2 फीट वर्ग में जगदलपुर के श्री दिनेश कुमार नाग, 5.5 फीट वर्ग में रायपुर सेंट्रल के श्री विजय बहादुर सिंह, 5.7 फीट वर्ग में दुर्ग के श्री टीकेश कुमार साहू एवं 5.7 फीट से अधिक के वर्ग में कोरबा पश्चिम श्री एड्रिन रॉड्रिक्स विजेता रहे। निर्णायकगण श्री राकेश साहू, श्री अमित बंछोर, श्री वैद्य मैत्री, श्री मनीष जंघेल, श्री संजय साहू थे।

आपदा प्रबंधन की मिसाल बनी बिजली भंडार की आगजनी..

उपलब्ध संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल व समन्वय से शीघ्र रोकथाम, जनहानि, जनसंपत्ति हानि का बचाव

इतनी भयानक आग में जनहानि नहीं होना अतुलनीय उपलब्धि है और इसके लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की प्रेरणा, उनके संबल ने अपना काम किया। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर कंपनियों के अध्यक्ष और छत्तीसगढ़ शासन के ऊर्जा विभाग के सचिव श्री पी.दयानंद की भूमिका भी रेखांकित करने योग्य है। श्री दयानंद ने पहले भी कई बार कहा है कि दुर्घटना न हो, इससे सुखद कुछ हो नहीं सकता लेकिन अगर कुछ अनहोनी घट ही गई हो तो संसाधनों के बेहतर समन्वय और सर्वश्रेष्ठ प्रबंधन का कोई विकल्प नहीं होता। यही सीख 5 अप्रैल को काम आ गई।

एक कहावत है 'जान है तो जहान है ' लेकिन यह समय की शिला पर उकेरा गया सबसे बड़ा सच भी है। दुनियाभर में जितने भी कर्म किये जाते हैं, उनमें सबसे बड़ा काम वही माना जाता है, जो किसी की जान बचाने के लिए किया गया हो।

05 अप्रैल 2024 को छत्तीसगढ़ की राजधानी, रायपुर के आसमान पर जो काले धुंये का गुबार छाया था, वह सारे शहर में दहशत फैला रहा था कि पता नहीं कितनों की जान और माल पर कितना खतरा मंडरा रहा है?

आग के बारे में कहा जाता है कि वह पानी से बुझती है लेकिन तेल की आग पर पानी भी बेअसर होता है, तो सवाल उठता है कि ऐसी आग कैसे बुझेगी ? अब इस आग की विकरालता के साथ जुड़ी अन्य चुनौतियों पर भी गौर करना जरूरी है।

एक ओर 132 के.वी. क्षमता का विद्युत उपकेंद्र और दूसरी ओर घनी बस्ती। उस घनी बस्ती और भभकती ज्वाला के बीच ऑयल से भरे हुए डिब्बाबंद ड्रम। एक छोटी सी बोतल में भरा पेट्रोल कितना विध्वंसक होता है, यह सब को पता है, तो ऑयल भरा हुआ डिब्बाबंद ड्रम कितना कहर ढा सकता है?

यह सोचकर भी आत्मा कांप उठे। वह पर ऐसा एक नहीं, अनेक ड्रम थे। इन ड्रमों को वहां से हटा देना ही भयानक शक्तिशाली बमों को डिफ्यूज करने जैसा राहतकारी कदम था। थोड़ी ही दूरी पर, खुले मैदान पर पड़े ऑयल भरे ट्रांसफार्मर बमों की तरह फट रहे थे और उससे थोड़ी दूर ऑयल के ड्रमों को हटाने के लिए अपनी जान की बाजी वही लगा सकता है, जो दूसरों की जान की परवाह करता हो और जान बचाने को ही सबसे बड़ा कर्तव्य समझता हो।

ऐसे कुछ वीडियोज वायरल हुए हैं, जिसमें एक महिला और कुछ पुरुष अधिकारी स्वयं ऑयल भरे ड्रमों को धकेलकर आग की जद से दूर ले जाते दिख रहे हैं। जैसे कि युद्ध जैसी बमबारी और धमाकों के बीच भी उन्हें सिर्फ एक ही आवाज सुनाई दे रही हो, बचाव, बचाव, बचाव। इनके साहस और जज्बे को सलाम करने के बजाय जो लोग दूरबीन लेकर लापरवाही ढूंढ रहे हैं, उनसे कुछ कहना निरर्थक है। जाहिर है कि ऐसे हालातों के बीच वही व्यक्ति काम कर पाता है, जो यह जानता हो कि प्रिवेंटिव मेन्टेनेन्स की अपनी अहमियत तो है ही, लेकिन जब कोई आपदा आ ही गई हो तो उससे निपटने का हर संभव और श्रेष्ठतम प्रबंधन ही सर्वश्रेष्ठ रास्ता होता है।

आपदा प्रबंधन का सबसे बड़ा सिद्धांत है, न्यूनतम क्षति के साथ संकट से निजात। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के क्षेत्रीय भंडार के अग्निकांड में जन हानि न होना और आम जनता की निजी संपत्तियों का लेशमात्र भी नुकसान न होना आपदा प्रबंधन की सबसे बड़ी कसौटी थी। इस कसौटी और चुनौती में खरा उतरना बेहद राहतदायी है। शहर के बड़े हिस्से में विद्युत आपूर्ति करने वाले 132 केवी उपकेंद्र, ऑयल के ड्रम, लगभग 100 ट्रांसफार्मर और अन्य कीमती उपकरण आग की भेंट चढ़ने से बच गए, यह निश्चय ही उपलब्धि है लेकिन इतनी भयानक आग में जनहानि नहीं होना अतुलनीय उपलब्धि है और इसके लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की प्रेरणा, ऊर्जा सचिव स्व स्टेट पॉवर कंपनीज़ के अध्यक्ष श्री पी. दयानंद के मार्गदर्शन की बड़ी भूमिका रही। ने अपना काम किया।

▪ **उमेश कुमार मिश्र**
अतिरिक्त महाप्रबंधक
(जनसंपर्क)

बिजली के साथ सबका विकास

छत्तीसगढ़ शासन

CSPDCL

कृषक जीवन ज्योति योजना
किसानों को निःशुल्क बिजली

- अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति किसानों के लिए विद्युत खपत की कोई सीमा नहीं, पूरी बिजली निःशुल्क
- 3 अश्वशक्ति तक कृषि पम्प पर 6000 यूनिट प्रति वर्ष एवं 3 से 5 अश्वशक्ति के कृषि पम्प पर 7500 यूनिट प्रति वर्ष की छूट
- फ्लेट रेट विकल्प पर विद्युत खपत की कोई सीमा नहीं, 100 रु. प्रतिमाह प्रति अश्वशक्ति की दर से बिजली बिल
- 5 अश्व शक्ति तक द्वितीय पम्प के लिए 200 रु. प्रति अश्व शक्ति, 5 अश्व शक्ति से अधिक प्रथम एवं द्वितीय पम्प के लिए 200 रू. अश्व शक्ति, 5 अश्व शक्ति एवं 5 अश्व शक्ति से अधिक तृतीय एवं अन्य पम्प के लिए 300 रू. प्रति अश्व शक्ति
- 7.18 लाख कृषि पंप उपभोक्ताओं को छूट का लाभ

वर्ष 2024-25 हेतु राज्य शासन के बजट में 3 हजार 500 करोड़ रुपये का प्रावधान

प्रमाणित किया जाता है कि पत्रिका के मैक मुद्रक/ प्रकाशन आदि गुणवत्ता एवं पत्रिका के अंदर के पृष्ठों में 90 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) और कवर पृष्ठों में 220 जीएसएम आर्ट पेपर (सिनारमास) का उपयोग किया गया है। मुद्रक : मयंक ऑफसेट पिंटर्स, रायपुर

हाफ बिजली बिल योजना

- सभी घरेलू उपभोक्ताओं को प्रतिमाह खपत की गई 400 यूनिट तक के बिजली बिल में 50 प्रतिशत की छूट
- 43 लाख 75 हजार 698 उपभोक्ता लाभान्वित

वर्ष 2024-25 के बजट में 1274 करोड़ रू. का प्रावधान

बिजली के साथ सबका विकास

30 यूनिट नि:शुल्क बिजली

- गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले परिवारों को प्रत्येक माह 30 यूनिट नि:शुल्क विद्युत
- 15 लाख 91 हजार बीपीएल उपभोक्ता लाभान्वित

वर्ष 2024-25 के बजट में 539.60 करोड़ रू. का प्रावधान

छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी, डंगनिया, रायपुर

फोन : 0771-2574702 | E-mail : powercom001@gmail.com